● वर्ष-3
● अंक-223
रायपुर, शनिवार
27 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› नवरात्रि में बोए जौ का ऐसा....

दूसरा चरणः 13 राज्यों की 88 सीटों पर 68.49 फीसदी वोटिंग, पूर्वोत्तर में उत्साह

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 88 सीटों के लिए शुक्रवार शाम छह बजे तक 68.49% मतदान हुआ। सात राज्यों में मतदान 70% से अधिक रहा। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66% मतदान हुआ। राजस्थान को छोड़कर हिंदी बेल्ट में मतदान को लेकर उत्साह नजर नहीं आया।

असम व प. बंगाल में कुछ जगह ईवीएम में खराबी और फर्जी मतदान की शिकायतें मिलीं। वहीं, कर्नाटक में दो गुटों की झड़प में एक ईवीएम तोड़ दी गई। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। छत्तीसगढ़ के 46 गांवों के मतदाताओं ने पहली बार मतदान किया। भीषण गर्मी के बीच सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान को लेकर पूर्वोत्तर में उत्साह दिखा। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66% लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया। वहीं मणिपुर में 78.78% और असम में 77.35% वोटिंग हुई। छत्तीसगढ़ में 75.16%, कर्नाटक में 68.47%, केरल में 70.21%, बिहार में 57.81%, मध्य प्रदेश में 58.26%, महाराष्ट्र में 59.63%, राजस्थान में 64.07% और प. बंगाल में 73.78% मतदान हुआ। चुनाव आयोग की ओर से अंतिम आंकड़े जारी होने पर इनमें कुछ बदलाव संभव है।

राहुल गांधी, राजीव चंद्रशेखर, अरुण गोविल की किस्मत ईवीएम में कैद-दूसरे चरण में राहुल गांधी, शशि थरूर, अरुण गोविल, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है।

एचडी कुमारस्वामी, हेमा मालिनी, ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मैदान में हैं। वायनाड में राहुल का मुकाबला भाकपा की एनी राजा और भाजपा के सुरेंद्रन से है। तिरुवनंतपुरम में शशि थरूर और चंद्रशेखर में मुकाबला है।

यूपी की 8 सीटों पर 55 फीसदी वोटिंग-उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर 54.85% मतदान हुआ। अमरोहा में सबसे अधिक 64.02त्न व मथुरा में सबसे कम 49.29% मतदान हुआ। वहीं, बुलंदशहर में 55.79, मेरठ में 58.70, बागपत में 55.93, गौतमबुद्धनगर में 53.21, गाजियाबाद में 49.65 और अलीगढ़ में 56.62त्न वोटिंग हुई।

छत्तीसगढ़ के 46 गांवों में पहली बार मतदान- छत्तीसगढ़ के बस्तर व कांकेर के 46 गांवों के मतदाताओं ने पहली बार मतदान किया। इसके लिए इनके गांवों में ही 102 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों पर कमजोर जनजातीय समूह, बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं मुहैया कराई गईं। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी तालुक के गांव बंजारुमले में 100 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 111 है। भीषण गर्मी के बावजूद आदिवासी और वनवासी किसानों ने आठ किमी दूर बनाए गए मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण के मतदान के साथ ही केरल, राजस्थान व त्रिपुरा समेत 13 राज्यों में मतदान की प्रक्रिया खत्म हो गई है। इस चरण में केरल की सभी 20, राजस्थान की 13 व त्रिपुरा की एक सीट पर मतदान हुआ। पहले चरण में राजस्थान की 25 में से 12 और त्रिपुरा की 2 में से एक सीट पर मतदान हुआ था। इन राज्यों के अलावा पहले चरण में ही तमिलनाडु (39 सीटों), उत्तराखंड (5), अरुणाचल (2) मेघालय (2), अंडमान और निकोबार (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1 सीट) में मतदान की प्रक्रिया पूरी हो गई थी। त्रिपुरा के ब्रू मतदाताओं के लिए आम चुनाव एक अलग खुशी लेकर आया। इन मतदाताओं ने पहली बार लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। गोमती जिले के तीर्थमुख क्षेत्र के गोएनांग पारा मतदान केंद्र पर सैकड़ों ब्रू मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी कर खुशी जताई। इससे पहले ब्रू वोटर्स ने पिछले साल मार्च में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान किया था। ब्रू प्रवासी 2020 तक उत्तरी त्रिपुरा जिले के छह राहत शिविरों में रहते थे। पर, अब उन्हें राज्यभर में 12 स्थानों पर स्थायी ठिकाना मिल गया है।

शाह का छत्तीसगढ़ की दुर्ग लोकसभा में विशाल जनसभा को संबोधन

छत्तीसगढ़ इस बार सभी 11 सीटें भाजपा को दे रही है

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की दुर्ग लोकसभा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति ने भुवनेश्वर साहू की जान ले ली। छत्तीसगढ़ की जनता ने ईश्वर साहू को जीताकर यह साबित कर दिया कि प्रदेश में तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी।'

उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस ने हमेशा छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का विरोध किया, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ की स्थापना की। आने वाले दो साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर देगी। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ

के कारण नक्सलवाद का पोषण किया। मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 साल में समग्र देश से नक्सलवाद को खत्म कर दिया। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद बचा रह गया क्योंकि यहाँ भूपेश बघेल की सरकार थी। महज 4 महीने के अंदर भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ सरकार ने 90 से ज्यादा नक्सलवादियों को समाप्त करने का काम किया है। 123 लोग गिरफ्तार हुए, 225 लोगों ने समर्पण किया। आने वाले दो वर्षों में मोदी सरकार छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेगी।' उन्होंने कहा कि, 'आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को अटका, लटका और भटका कर रखा था। मोदी जी ने केस भी जीता, भूमि-पूजन भी की और 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर में रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा भी कर दिया। वोट बैंक के कारण राहुल गांधी ने रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के आमंत्रण को ठुकरा दिया।' अमित शाह ने कहा कि, 'खड़गे जी कहते हैं कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान वालों को कश्मीर से क्या लेना-देना? उन्हें मालूम होना चाहिए कि छत्तीसगढ़ का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए जान देने को तैयार है। कांग्रेस ने दशकों तक धारा 370 को अनौरस संतान की तरह सम्हाल कर रखा था। मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया, इससे कश्मीर हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बन गया। पार्लियामेंट में राहुल गांधी कहते थे कि धारा 370 को हटाने से खून की नदियाँ बह जाएंगी। मैं राहुल गांधी को कहना चाहता हूँ कि 5 साल हो गए धारा 370 को हटाए हुए, खून की नदियाँ तो दूर किसी की कंकड़ चलाने तक की हिम्मत नहीं हुई। मोदी जी ने इस देश से नक्सलवाद और आतंकवाद को समाप्त किया है।' अमित शाह ने कहा कि, '10 साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। पाकिस्तान से आलिया, मालिया और जमालिया आते थे और बम-धमाका कर के भाग जाते थे.

भाजपा विकास करती है, ठगने का काम करती है कांग्रेस - विष्णु देव साय

रायपुर/मस्तूरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार ने आदिवासी एवं अनुसूचित बाहुल्य क्षेत्रों के हितों की सदैव चिंता की है। भाजपा की सरकार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों का विकास तेजी से हुआ है। आज गिरौदपुरी में भव्य जैतखाम का निर्माण और वहां के विकास का काम हमारी भाजपा सरकार ने किया है। मस्तूरी क्षेत्र के सड़कों के विकास के लिए पूर्व की रमन सरकार ने 123 करोड़ रुपए स्वीकृत किये थे। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 34 करोड़ रुपए की स्वीकृति भाजपा सरकार ने ही दी थी। मतलब सड़क, पानी, बिजली की चिंता केवल भाजपा ही करती है। कांग्रेस केवल ठगने का काम करती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के चिल्हाटी, मस्तूरी में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अपनी निश्चित हार देखकर हताशा में हमारे प्रधानमंत्री पर अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, मोदी जी को लाठी से मारने की बात कहते हैं तो कवासी लखमा, मोदी जी को मर जाए कह रहे हैं। जो बहुत ही शर्मनाक है। ऐसे लोगों को जनता करारा जवाब देगी, जीरो पर आउट करेगी। मुख्यमंत्री ने जनता से भाजपा प्रत्याशी तोखन साहू को भारी मतों से जिताकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। कांग्रेस और भूपेश बघेल को घेरते हुए श्री साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। तभी तो छत्तीसगढ़ की जनता ने 2023 में कांग्रेस को सरकार से आउट कर दिया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। महादेव सट्टा एप निर्बाध रूप से चले इसके लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा, एफआईआर भी दर्ज हुआ।

प्रमुख समाचार

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ के दो कर्मियों की मौत

नई दिल्ली। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों के एक शिविर पर उग्रवादियों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो कर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने मोइरांग पुलिस थाना क्षेत्र के नारानसेना में आईआरबीएन (भारतीय आरक्षित वाहिनी) शिविर पर हमला किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उग्रवादियों ने शिविर को निशाना बनाकर पहाड़ी की चोटियों से अंधाधुंध गोलीबारी की। गोलीबारी रात करीब साढ़े 12 बजे शुरू हुई और देर रात लगभग सवा दो बजे तक जारी रही। आतंकवादियों ने बम भी फेंके, जिनमें से एक बम सीआरपीएफ की 128 बटालियन की चौकी में फट गया।'' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सीआरपीएफ के उप-निरीक्षक एन. सरकार और हेड कांस्टेबल अरूप सैनी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हमले में निरीक्षक जादव दास और कांस्टेबल आफताब दास छर्रे लगने से घायल हो गए। सीआरपीएफ जवानों को आईआरबीएन शिविर की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। पुलिस ने कहा कि हमले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

एनडीए को मिल रहा समर्थन विपक्ष को निराश करने वाला-मोदी

नई दिल्ली। शुक्रवार (26 अप्रैल) को 13 राज्यों के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि दूसरा चरण अच्छा रहा है। उन्होंने युवा और महिला मतदाताओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनका समर्थन एनडीए को मिल रहा है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और आधिकारिक तौर पर शाम 6 बजे समाप्त हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के बरेली में रोड शो किया। सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। मोदी ने एक्स पर लिखा कि चरण दो बहुत अच्छा रहा! भारत भर के लोगों का आभार जिन्होंने आज मतदान किया। एनडीए को मिल रहा अद्वितीय समर्थन विपक्ष को और भी निराश करने वाला है। मतदाता एनडीए का सुशासन चाहते हैं। युवा और महिला मतदाता एनडीए को मजबूत समर्थन दे रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को जिन राज्यों में मतदान हुआ उनमें असम (5), बिहार (5), छत्तीसगढ़ (3), जम्मू-कश्मीर (1), कर्नाटक (14), केरल (20), मध्य प्रदेश (6), महाराष्ट्र (8), मणिपुर (1), राजस्थान (13), त्रिपुरा (1), उत्तर प्रदेश (8), पश्चिम बंगाल (3) शामिल हैं।

चाबी की लड़ाई, बूढ़ा और जेबकतरे पर आई

मुंबई। माढ़ा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह नाइक निंबालकर खोत में प्रचार करने आये थे। इस चुनावी सभा में सदाभाऊ खोत ने शरद पवार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ये बूढ़ा आदमी तिजोरी की चाबी कमर में लेकर घूम रहा है, अजीतदादा चाबी देखते-देखते बूढ़े हो गए। सदाभाऊ खोत ने शरद पवार की आलोचना करते हुए कहा है कि बूढ़ा आदमी चाबी नहीं देता। सदाभाऊ ने कहा कि दादा ने देखा कि बूढ़े ने चाबी नहीं दी, इसलिए दादा अब चाबी पर लटके हुए हैं, जब तक चाबी नहीं टूट जाती, दादा को चैन नहीं मिलेगा। सदाभाऊ खोत सांगोला तालुका के कोले में एक बैठक में बोल रहे थे। यह लड़ाई महल बनाम गांव की लड़ाई है। लड़ाई स्थापित बनाम विस्थापित के बीच है। पवार साहब की उम्र 84 साल है और इस उम्र में बैठक संभव है? जब बच्चा बड़ा हो जाता है तो पिता उसे अपनी विरासत देकर चुप करा देता है। लेकिन यह तिजोरी की चाबी अपनी कमर पर लेकर घूम रहे हैं। अजितदादा ने चाबी देखी और बूढ़े हो गये। अजितदादा ने देखा कि बूढ़ा व्यक्ति बेल्ट का बक्कल नहीं हटा रहा था। सदाभाऊ खोत ने आलोचना की कि दादा अब कह रहे हैं कि जब तक चाबी नहीं टूटेगी, वे नहीं रुकेंगे। इस बीच सदाभाऊ खोत की इस आलोचना पर जीतेंद्र अवाड ने पलटवार किया है।

केजरीवाल सरकार प्रशासन की नही प्रचार की सरकार हैः सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने आज दिल्ली भाजपा के मंत्री श्री हरीश खुराना एवं मीडिया प्रमुख श्री प्रवीण शंकर कपूर की उपस्थिती में कहा है की अरविंद केजरीवाल सरकार एक अकर्मण्य एवं असंवैधानिक व्यवस्था से चलती हुई सरकार है जिसकी हठधर्मी के चलते आज दिल्ली में विकास एवं प्रशासन से जुड़ी 3060 से अधिक फाइलें मुख्य मंत्री एवं मंत्रियों के पास लंबित हैं और विकास एवं प्रशासन दोनों ठप्प हैं। श्री सचदेवा ने कहा है की हम तो हमेशा से कहते थे की अरविंद केजरीवाल सरकार प्रशासन की नही प्रचार की सरकार है, वर्षों से धूल फांकती 3 हजार से अधिक फाइलों का सच सामने आने से यह प्रमाणित हुआ। श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की यह तो सबको मालूम था की मुख्य मंत्री अक्रमणय व्यक्तित्व के हैं - कोई विभाग जिम्मेदारी नही लेते - पर उन पर 420 प्रशासनिक फाइलें रूका होना दर्शा है वह कितने लापरवाह है। श्री सचदेवा ने कहा है की मुख्य मंत्री पर 420 फाइलें रूकी है - यह आंकड़ा खुद में बहुत कुछ कहता है - 420 का रिश्ता धोखाधड़ी से है - और इतनी फाइलें लटकाना जनता के साथ धोखा है विश्वासघात है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की केजरीवाल सरकार केवल अक्रमणय एवं धोखेबाज ही नही है.

तेजस्वी सूर्या की बढ़ी मुश्किलें, धर्म के नाम पर वोट मांगने का लगा आरोप

नई दिल्ली. बीजेपी के बेंगलुरु दक्षिण से उम्मीदवार और सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ धर्म के आधार पर वोट मांगने का मामला दर्ज किया गया है। सूर्या बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के उम्मीदवार हैं जहां शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान में मतदान हुआ। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक्स पर लिखा कि एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करने और धर्म के आधार पर वोट मांगने के लिए सांसद और बेंगलुरु साउथ पीसी के उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या के खिलाफ जयनगर पीएस में 25.04.24 को धारा 123(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कुछ दिन पहले, एक कांग्रेस उम्मीदवार और उनकी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं के खिलाफ यहां एक कार्यक्रम में कथित तौर पर हंगामा करने और बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ धक्का-मुक्की करने के लिए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की गई थी। तेजस्वी ने मतदाताओं से बाहर आकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की कई अपील की। दोपहर करीब 2 बजे उन्होंने आखिरी वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने मतदान के आखिरी चार घंटों का भरपूर उपयोग करने की अपील में सीमा सुरक्षा, धारा 370 के अलावा राम मंदिर का भी जिक्र किया।

केरल की सियासत को आसान भाषा में समझिए

एझावा, नायर, मुस्लिम, ईसाई, जिनके इर्द-गिर्द ही राजनीतिक दल सूबे में रणनीति बनाते हैं

अभिनय आकाश

दक्षिणी पश्चिमी सीमा पर अरब सागर व सौहाद्री पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित भाग को केरल के नाम से जाना जाता है। इस राज्य का क्षेत्रफल 38 हजार 863 वर्ग किलोमीटर है। पौराणिक कथाओं के अनुसार परशुराम ने अपना परशु समुद्र में फेंका जिसकी वजह से उसी आकार की भूमि समुद्र से बाहर निकली और केरल अस्तित्व में आया। यहां 10वीं ईसा पूर्व से मानव बसाव के प्रमाण मिले हैं। केरल शब्द की उत्तपति को लेकर विद्वान एकमत नहीं हैं। कहा जाता है कि कि चेर - स्थल, कीचड़ और अलम-प्रदेश शब्दों के योग से केरल शब्द बना है। केरल शब्द का एक और अर्थ है- वह भूभाग जो समुद्र से निकला हो। केरल की 54.7 फीसदी आबादी भी हिंदुओं, 26.7 फीसदी मुस्लिमों और 18.4 फीसदी आबादी ईसाइयों की है।

केरल में विभिन्न जातियां और समुदाय प्रमुख पार्टियों और उनके गठबंधनों की राजनीति को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनावी मौसम में उम्मीदवारों के चयन से लेकर उनके अभियान चलाने के लिए योजनाएं तैयार करने तक, वोट बैंक बनाए रखने और प्रतिद्वंद्वी क्षेत्रों में आधार बढ़ाने के लिए पार्टियों द्वारा ऐसे समुदायों के हितों और चिंताओं को अपनी रणनीतियों के हिस्से के रूप में शामिल किया जाता है।

एझावा- केरल के हिन्दू समुदायों के बीच में सबसे बड़ा समूह है। उन्हें प्राचीन तमिल चेर राजवंश के विलावर संस्थापकों का वंशज माना जाता है, जिनका कभी दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन हुआ करता था। राज्य की आबादी का लगभग 23त्न है। ओबीसी वर्ग से संबंधित एझावा समुदाय परंपरागत रूप से सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के वोट बैंक का हिस्सा रहा है। समुदाय के सबसे बड़े संगठन एसएनडीपी योगम ने 2015 में एक राजनीतिक पार्टी भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) बनाई। बीडीजेएस 2016 के विधानसभा चुनावों के बाद से राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का सहयोगी रहा है। हालाँकि, भाजपा बीडीजेएस के माध्यम से एझावा समुदाय में पैठ बनाने में सफल नहीं हो पाई। इसके जमीनी स्तर के कार्यकर्ता एसएनडीपी योगम के सदस्य हैं, जो विभिन्न दलों, विशेषकर सीपीआई (एम) से जुड़े हुए हैं। 2018 में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ भाजपा के नेतृत्व वाले आंदोलन के दौरान, बीडीजेएस ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। हालाँकि, बीडीजेएस के संरक्षक और एसएनडीपी योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन, सबरीमाला आंदोलन का मुकाबला करने के लिए गठित सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली सरकार के पुनर्जागरण आंदोलन मंच के साथ बने रहे। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीडीजेएस ने 20 में से 4 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन कोई खास कामयाबी हाथ नहीं लगी। उसे केवल 1.88% वोट ही प्राप्त हुए। जबकि सहयोगी भाजपा ने 15 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन 13त्न वोट लाने में तो कामयाब हो गई लेकिन खाता फिर भी नहीं खुल सका। 2021 के विधानसभा चुनावों में बीडीजेएस ने 140 में से 21 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन इसका वोट शेयर और गिरकर 1.06% हो गया। भाजपा ने 113 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली। बीजेपी के भी वोट शेयर में गिरावट हुई और ये 11.30% रह गया। इनमें से कई सीटों पर एलडीएफ विजयी हुआ या पिछले चुनावों की तुलना में उसके वोट शेयर में सुधार हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीडीजेएस फिर से बीजेपी की 16 सीटों की तुलना में 4 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बीडीजेएस के अध्यक्ष तुषार वेल्लापल्ली कोट्टायम से मैदान में हैं, जबकि भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन अटिंगल सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां एझावा मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा है। मुसलमान- राज्य में मुसलमानों की आबादी का 26% है। केरल में मुस्लिम समुदाय की राजनीति पर परंपरागत रूप से कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगी आईयूएमएल का वर्चस्व रहा है। पिछले दो दशकों में समुदाय में हुए मंथन के कारण कई पार्टियों और विभाजित समूहों का गठन हुआ है, लेकिन वे आईयूएमएल के साथ लामबंद नजर आ रहे हैं। आईयूएमएल राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यधारा की राजनीति का हिस्सा है। मुस्लिम मतदाता मुख्य रूप से उत्तरी केरल के वायनाड, मलप्पुरम, कोझिकोड, वडकारा, कन्नूर, पोन्नानी और कासरगोड निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सीपीआई (एम) समुदाय में पैठ बनाने की कोशिश कर रही है, मुख्य रूप से सुन्नी मुसलमानों को टारगेट पर रखा जा रहा है। सुन्नी आईयूएमएल के साथ निकटता से जुड़े रहे हैं। इस चुनाव में मुस्लिम वोट की अहमियत और बढ़ गई है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर चिंताएं राज्य में एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गई हैं। सीपीआई (एम) और कांग्रेस दोनों ने खुद को भाजपा के खिलाफ आक्रामक रूप से तैनात किया है, यहां तक ????कि वे राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के साझेदार होने के साथ-साथ राज्य में एक-दूसरे के खिलाफ नजर आ रहे हैं।

किसी के हाथों में मेहंदी तो कोई हल्दी रस्म निभाकर पहुंचा वोटिंग करने

कांकेर। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ की तीन लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग हुई। कांकेर, महासमुंद और राजनंदगांव लोकसभा सीट पर मतदान हुआ। दूसरे चरण में कुल 41 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला जनता करेगी। कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा ब्लॉक के ओड़ियाकला मतदान केंद्र में नवविवाहित वर वधु रामेश्वर मरकाम ने मतदान किया और सेल्फी भी ली।

कांकेर में लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान एक अलग ही नजारा देखने को मिला। अलबेलापारा की महिला मतदाता वर्षा सिन्हा ने हल्दी रश्म के बाद मतदान करने पहुंची। आज वर्षा सिन्हा की बारात आने वाली है। बारात आने से पहले हल्दी लगी दुल्हन ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के अंदरूनी ग्राम चवेला में आज मताधिकार के महत्व को दो बहनों ने समझकर वोट डालने मतदान केंद्र पहुंच गईं। दोनों बहनें हेमलता यादव और युगलकिशोरी ने हल्दी लगी हुई साड़ी पहनकर वोट डालने पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि पहले वोट करेंगे, उसके बाद शादी की रस्में निभाएंगे। इस तरह मतदान के प्रति जागरूकता का वातावरण पिछड़े हुए इलाकों में देखने को मिल रहा है। मतदान केन्द्र क्रमांक 74 चवेला में कुल 919 मतदाता हैं, जिनमें 448 पुरुष और 471 महिला मतदाता हैं। लोकतंत्र के महापर्व में अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के लिए गर्भवती महिलायें भी वोटिंग करने पहुंची।

संगवारी मतदान केंद्र आमापारा में तिलक लगाकर मतदाताओं का स्वागत

बालोद। लोकतंत्र के महापर्व के अवसर पर

शुक्रवार को संगवारी मतदान केंद्र आमापारा बालोद में आने वाले मतदाताओं का पुष्प और तिलक से स्वागत किया गया। जिले के गुंडरदेही विकासखण्ड के आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 156 कुरदी में छत्तीसगढ़ी संस्कृति को परिलक्षित करते हुए बेहतरीन साज सज्जा की गई है।

मतदान केंद्र में 87 वर्षीय बुजुर्ग दीनदयाल साहू ने अपने 54 वर्षीय पुत्र रमनलाल एंव 23 वर्षीय नाती किशोर साहू के साथ मतदान किया। इस दौरान उनके तीन पीढ़ी के लोगों के एक साथ मतदान करने पर बहुत ही प्रशन्नचित नजर आ रहे थे।

इस मतदान केंद्र में सेवानिवृत्त तहसीलदार एफआर ठाकुर एंव अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने मतदान कर सभी मतदाताओ को अनिवार्य रूप से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इस मतदान केंद्र में महिला एंव पुरुषों के लिए अलग अलग वेटिंग कक्ष के अलावा शुद्ध पेयजल, छाँव इत्यादि की भी व्यवस्था की गई थी।

दो बहनें शादी की रस्म के बीच पहुंची वोट डालने मतदान केंद

कांकेर। भानुप्रतापपुर के अंदरूनी ग्राम चवेला में

शुक्रवार को दो बहनें शादी की रस्म के बीच वोट डालने मतदान केंद्र पहुंचीं। दोनों बहनें हेमलता यादव और युगलकिशोरी ने हल्दी लगी हुई साड़ी पहनकर वोट डालने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि पहले वोट करेंगे, उसके बाद शादी की रस्में निभाएंगे। इस तरह मतदान के प्रति जागरूकता का वातावरण पिछड़े हुए इलाकों में देखने को मिल रहा है।

कलेक्टर मलिक ने सप्लीक किया मतदान, सेल्फी भी ली

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक ने सपत्नीक आज सुबह 9 बजे शासकीय माता कर्मा महाविद्यालय मचेवा के आदर्श मतदान केन्द्र में मतदान किया। उन्होंने मतदाताओं के साथ लाईन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए मतदान किया इसके बाद उन्होंने सपत्नीक सेल्फी भी ली। इस अवसर पर उन्होंने सभी से मतदान करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने यहां की गई व्यवस्था का अवलोकन भी किया। जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक ने भी आज सुबह शासकीय माता कर्मा महाविद्यालय मचेवा के आदर्श मतदान केन्द्र में सपत्नीक मतदान किया। उन्होंने सेल्फी जोन में आकर अपनी तस्वीरों को कैमरे में कैद किया।

कलेक्टर अभिजीत ने आदर्श मतदान केन्द्र माहुरबंदपारा में सपरिवार किया मतदान

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

अभिजीत सिंह ने आज सुबह 7 बजे शहर के आदर्श मतदान केन्द्र माहुरबंदपारा में सपरिवार पहुंचकर मतदान के लिए कतार में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने मतदान करने के बाद हम साथ-साथ हैं सेल्फी कॉर्नर में फोटो भी खिंचवाई। कलेक्टर ने इस अवसर पर जिले के मतदाताओं से लोकसभा निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

बारात रवाना होने से पहले पूरे परिवार के साथ दूल्हे ने किया मतदान

कांकेर। कांकेर लोकसभा अंतर्गत केशकाल विधानसभा में शुक्रवार सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग बड़े ही उत्साह के साथ मतदान करने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम रोगाडीह में दूल्हे ने जागरूक मतदाता का फर्ज निभाते हुए दूल्हा भोजराज सोनी ने बारात रवाना होने से पहले अपने पूरे परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर सभी ने मतदान किया। इसके पश्चात बारात अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।

90 साल की बुजुर्ग महिला ने की वोटिंग, संगवारी मतदान केंद्र में जल संरक्षण का संदेश

बालोद। मतदान को विशेष बनाने के लिए

निर्वाचन विभाग ने बालोद जिले के गुरूर ब्लॉक में खास इंतजाम किया है। यहां कोलिहामार में संगवारी आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। संगवारी मतदान केंद्र में 90 साल की बिसोनी बाई महमल्हा व्हील चेयर पर बैठकर मतदान करने पहुंचीं।

संगवारी मतदान केंद्र में महिलाओं की टीम जुटी है। यहां आकर्षक सेल्फी जोन बनाए गए हैं। सबसे बड़ी बात यह कि यहां पर जल संरक्षण का संदेश देने के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

बालोद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने भी सुबह मतदान केंद्र क्रमांक 38 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बालोद में मतदान किया। कलेक्टर ने सेल्फी पॉइंट में सेल्फी भी ली।

कांकेर लोकसभा सीट पर बीजेपी की ओर से भोजराज नाग मैदान में हैं। भोजराज सिरहा बैगा समाज से आते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने कोरर के जमींदार परिवार के बीरेश ठाकुर को मैदान में उतारा है। बीरेश ठाकुर साल 2019 में भी लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं, जिन्हें बीजेपी के मोहन मंडावी ने 6 हजार मतों से हराया था। इस बार का चुनावी मुकाबला बैगा और जमींदार के बीच हो रहा है।

अग्नि के सात फेरे लेने से पहले नवविवाह जोड़े ने किया मतदान

नगरी। धमतरी जिले के नगरी नगर पंचायत वार्ड क्रमांक 11 में रहने वाली रोशनी यादव पिता नरेश कुमार यादव का आज विवाह सिहावा निवासी युवक के साथ होना है। घर में बारात आने के पूर्व हल्दी और मेहंदी की रस्म संपन्न होने के बाद दुल्हन दूल्हे के साथ अग्नि के साथ फेरे लेने के पहले उसने अपने मताधिकार का प्रयोग एक्सीलेंट आत्मानंद इंग्लिश स्कूल के बूथ क्रमांक 151 में किया।

दुल्हन ने पहली बार लोकसभा चुनाव में अपने मतदान का प्रयोग किया है और पूरे नगर वासियों से अपील करते हुए कहा कि अपनी पसंद की सरकार बनाने और राष्ट्र निर्माण के लिए यह मौका 5 साल में एक बार आता है व सभी लोग जिनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज है, उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

ससुराल जाने से पहले मतदान केंद्र पहुंची दुल्हन, विदाई से पहले किया मतदान

कवर्धा। लोकसभा चुनाव 2024 के दुसरे चरण का मतदान शुक्रवार यानी आज जारी है। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कबीरधाम जिले में लोग हमेशा से ही मतदान को लेकर जागरूकता का परिचय देते आए हैं और निर्वाचन में मतदान प्रतिशत अन्य जिलों से ज्यादा देखने को मिलता है।

कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखण्ड अंतर्गत खम्हरिया गांव में युवती पूजा चंद्राकर की शादी मुंगेली जिले के लगरा गांव के युवक रमा चंद्राकर से 26 अप्रैल को संपन्न हुई। इस दौरान दोनों ने सात फेरे के बाद युवती की विदाई हुई, लेकिन युवती ने घर से निकल कर रास्ते में मतदान केंद्र पर डोली रोकवा दिया और युवती ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए जागरुकता का परिचय दिया है।

बता दें कि दुल्हन और दुल्हे को शादी के जोड़े में मतदान करने आए, गांव के लोग वह मतदानकर्मी बहुत सराहना किया है। यहां निर्वाचन में मतदान प्रतिशत अन्य जिलों से ज्यादा देखने को मिलता है।

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के कई गांवों में मतदान का बहिष्कार, मनाने में जुटा प्रशासन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की तीन

लोकसभा सीट कांकेर, महासमुंद और राजनांदगांव में मतदान जारी है। इस बीच महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के उदंती अभ्यारण्य के कई गांवों में मतदान बहिष्कार हो रहा है। इसकी सूचना के बाद आला अफसर गांव में पहुंचे। जहां बम्हनीझोला मंडी में ग्रामीणों के साथ अफसर चर्चा कर रहे हैं। वहीं एसपी अमित तुकाराम कांबले भी मौजूद हैं। मिली जानकारी के अनुसार, गरियाबंद जिले के कोयबा, नागेश, साहेबीनकछार, गरीबा के बूथ में आने वाले 9 गांवों के मतदाता मतदान का बहिष्कार कर रहे हैं।

बता दें कि चुनाव से पहले 30 से ज्यादा गांवों ने मतदान बहिष्कार का ऐलान किया था। लेकिन अन्य जगह प्रशासन मतदाताओं को मनाने में सफल रहा बाकी जगह लोग अब भी अड़े हुए हैं। बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा में साढ़े 9 बजे तक 16.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। राजिम विधानसभा में 15.38 प्रतिशत मतदान

हुआ है। ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए है।

फर्जी वोटिंग से बूथ पर हंगामा, पीठासीन अधिकारी ने निविदक मत पत्र से कराया मतदान

बालोद। जिले के दल्लीराजहरा के बूथ क्रमांक 201 से फर्जी मतदान का मामला सामने आया है। गुरुनानक स्कूल में मतदान करने पहुंची गाडरपुल की रहने वाली मधु लालवानी पति गोवर्धनदास तो उनको पता चला कि उनका वोट किसी ने दे दिया। इसके बाद काफी हंगामा हुआ।

हंगामे के बाद महिला को पीठासीन अधिकारी ने निविदक मत पत्र से मतदान कराया तब जाकर मामला शांत हुआ। पीठासीन अधिकारी ने बताया कि अधिकारी क्रमांक एक से पहचान में कुछ गलती हुई है। दूसरे का वोट दूसरे द्वारा डाला गया है। नियमानुसार हमने निविदक मत पत्र से मतदान करा दिया है।

हालांकि बड़ा सवाल यह है कि इतनी ट्रेंनिग के बाद इतनी बड़ी लापरवाही क्यों हो गई और इसके जिम्मेदार कौन है और किन पर अब जिला निर्वाचन अधिकारी का हंटर चलता है।

चुनाव ड्यूटी में तैनात जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

गरियाबंद। प्राथमिक स्कूल के पोलिंग बूथ में मतदान के दौरान तैनात जवान ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद के सर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक जवान मध्यप्रदेश के राजपुर का जियालाल पंवार रहने वाला है।

जानकारी के मुताबिक पीपरछेड़ी थाना क्षेत्र के कूड़ेरादादर में प्राथमिक स्कूल के पोलिंग बूथ तैनात जवान जियालाल पवार ने आज मतदान के बीच अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद के सर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से मतदान केंद्र में थोड़ी देर के लिए सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश के राजपुर का जियालाल पंवार रहने वाला है और वह 34वीं बटालियन की ए कंपनी में पदस्थ था। जवान लोकसभा चुनाव ड्यूटी में छत्तीसगढ़ आया हुआ था। वह रिजर्व के रूप में अपने कैम्प कुडेरादादर में ही था इसकी कोई ड्यूटी नहीं लगी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले ने घटना की पुष्टि की है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

करंगरा बैरियर से उड़नदस्ता दल ने 414000 रु. जब्त किया

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बनाए गए उड़नदस्ता दल ने मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले करंगरा बैरियर 4 लाख 14 हजार रुपये जब्त किया है। दो पिकअप वाहन में सवार 4 लोगों से विधिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर 4 लाख 14 हजार रुपए जप्त कर मामले की जांच शुरु कर दी गई है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लीना कमलेश मंडावी के निर्देशानुसार जिले में संपूर्ण चुनावी गतिविधियों पर विभिन्न निगरानी दलों द्वारा नजर रखी जा रही है। जिले एवं राज्य की सीमा से लगे बैरियर-नाकों पर स्थैतिक निगरानी दल तथा उड़नदस्ता दल तैनात किए गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश को छत्तीसगढ़ जोड़ने वाली अंतरराज्यीय सीमा करंगरा बैरियर पर उड़नदस्ता दल ने जांच के दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन सवार 4 लोगों से जांच के दौरान 4 लाख 14 हजार रुपये जब्त किये हैं। पकड़े गए लोगों ने जांच के दौरान दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया।

चोखनपाल के जंगल से 7 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत

थाना गंगालूर, डीआरजी, कोबरा 202 एवं केरिपु 222 वी वाहिनी की संयुक्त टीम चोखनपाल की ओर सर्चिंग पर निकली थी। अभियान के दौरान चोखनपाल के जंगल से 5 पुरूष एवं 2 महिला सहित 7 नक्सलियों पायकु पुलसुम पिता चैतु उर्फ छायतु, दिनु पुलसुम पिता धन्नु पुलसुम उर्फ सन्नु, रमेश पुलसुम पिता पाकलू पुलसुम, सोमबारू पुलसुम पिता सुक्कु पुलसुम उर्फ डोग्गा, सुक्की माड़वी उर्फ जेड्डे पिता डोरा, सुक्कू पुलसुम पिता बुगुर उर्फ सुक्लू पुलसुम तथा जोगी पुलसुम पिता झिगू उम्र 25 वर्ष सभी निवासी चोखनपाल थाना गंगालूर जिला बीजापुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आईईडी, बैटरी, कार्डेक्स वायर, जिलेटिन स्टीक, नक्सली साहित्य, इलेक्ट्रिक वायर बरामद किया गया एवं थाना गंगालूर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल किया गया।

पिकनिक मनाने के दौरान नदी में डूबा युवक

जगदलपुर। राजनांदगांव निवासी युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ घूमने के लिए जगदलपुर आया था। जहां घूमने के दौरान नगरनार थाना क्षेत्र के शबरी नदी में घूमने गए, जहां नदी में नहाने के दौरान एक युवक डूब गया। दोस्तों ने खोजबीन की लेकिन पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना ददी गई। जिसके बाद से युवक की तलाश की जा रही है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए नगरनार थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान ने बताया कि राजनादगांव निवासी अभिषेक उतकेल 27 वर्ष अपने दोस्तों के साथ जगदलपुर टूरिजम के तौर पर घूमने के लिए आया हुआ था, घूमने के दौरान चित्रकोट जाने के बाद अपने दोस्तों के साथ नगरनार क्षेत्र के शबरी नदी पहुँचे, जहाँ गुरुवार की शाम को अभिषेक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने के लिए उतर गया। जहां नहाने के दौरान अभिषेक गहरे पानी में चला गया, जिसके बाद दोस्तों ने उसकी काफी खोजबीन किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चलने पर नगरनार पुलिस से संपर्क किया गया।

माइंस में सिलेंडर भरने के दौरान हुआ ब्लास्ट, 6 झुलसे

बलौदाबाजार। जिले में स्थित अंबुजा

अडानी सीमेंट संयंत्र में शुक्रवार को माइंस में सिलेंडर भरने के दौरान ब्लास्ट हो गया। हादसे में 6 लोग झुलस गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में दो की स्थिति गंभीर है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए रायपुर रिफर किया गया है। वहीं बाकी चार का अंबुजा अडानी के हास्पिटल में इलाज चल रहा है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि नाइट्रोजन गैस भरते समय यह हादसा हुआ। वहीं घटना के संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी से पूछा गया तो उन्होंने जानकारी नहीं होने की बात कही। बता दें कि कुछ माह पहले इसी तरह का हादसा हिरमी स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र में हुआ था, जिसमें तीन लोगों के चिथड़े उड़ गए थे। इसके पहले भी अंबुजा अडानी सीमेंट संयंत्र में अनेक हादसे हो चुके हैं, जिसमें लोगों की जान भी जा चुकी है।

बोलेरो-मोपेड के बीच जबरदस्त भिड़ंत

कोरबा। कोरबा के कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाइवे में गायमाड़ा के समीप तेज रफ्तार बोलेरो व मोपेड के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में मोपेड सवार भांजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मामा को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया। जहां उसने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना उस वक्त घटित हुई, जब मृत मामा भांजा मोरगा साप्ताहिक बाजार से घर लौट रहे थे। मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई कर ली है। मूलत: सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थानांतर्गत ग्राम हरियर पुर में बुधमान सिंह धनुहार 65 वर्ष निवास करता है। उसका छोटा पुत्र श्याम कुमार धनुहार रोजी मजदूरी कर पत्नी व तीन बच्चों का पालन पोषण करता था। श्याम गुरुवार की दोपहर अपने भांजा कोटलाल उर्फ भोला धनुहार 22 वर्ष के साथ कोरबा जिले के सरहदी गांव मोरगा के साप्ताहिक बाजार आया हुआ था। मामा भांजा साप्ताहिक बाजार से सामान की खरीदी कर टीवीएस एक्सएल मोपेड में सवार होकर शाम करीब चार बजे घर लौट रहे थे।

छत्तीसगढ़ में मोदी, शाह और योगी को इतनी मेहनत क्यों करनी पड़ रही है? सबकुछ ठीक है ना?

नीरज कुमार दुबे

लगभग चार महीने पहले छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे दमदार प्रदर्शन करके सत्ता में आई भाजपा इस बात के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि राज्य की सभी 11 संसदीय सीटों पर जीत हासिल की जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से राज्य में सघन चुनाव प्रचार कर रहे हैं उसका बड़ा असर यहां की राजनीतिक स्थिति पर दिख रहा है। भाजपा ने 2019 में छत्तीसगढ़ में 11 में से 9 सीटों पर जीत हासिल की थी। उस समय राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी थी। भाजपा को लगता है कि जब विपरीत परिस्थिति में भी 9 सीटों पर जीत हासिल की जा सकती है तो इस समय तो अनुकूल परिस्थितियां हैं इसलिए 11 सीटों पर जीत का लक्ष्य हासिल करना कोई नामुमकिन बात नहीं है।

हम आपको बता दें कि राज्य में पहले चरण में नक्सल प्रभावित बस्तर संसदीय क्षेत्र में मतदान हो चुका है। अब 26 अप्रैल को तीन लोकसभा सीटों- राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर में चुनाव कराया जायेगा। आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा को उम्मीद है कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाये जाने का प्रभाव यहां के मतदाताओं पर है। भाजपा ने विष्णु देव साय के रूप में राज्य को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री भी दिया है। भाजपा इस बात को प्रचारित कर रही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में ही आदिवासी मामलों के लिए केंद्र में अलग मंत्रालय का गठन किया गया था। भाजपा दावा कर रही है कि आदिवासियों का भला भाजपा से बेहतर कोई नहीं कर सकता।

हमने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान राज्य में दूसरे चरण की सीटों पर फोकस किया तो कुछ महत्वपूर्ण बातें सामने आईं। जैसे महासमुंद, कांकेर और राजनांदगांव एक कृषि बेल्ट है इसलिए किसानों के मत यहां बहुत महत्व रखते हैं। महानदी बेसिन में धान मुख्य फसल है जबकि कांकेर के तहत आने वाले बालोद और राजनांदगांव का काफी इलाका गन्ना बेल्ट भी हैं। राज्य की नई भाजपा सरकार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रही है। विष्णु देव साय की सरकार ने भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए गए दो वादों को पूरा करते हुए, धान किसानों को लंबित बोनस भी हस्तांतरित कर दिया है। इसके अलावा महतारी वंदन योजना की दो किश्तों के पैसे भी जारी कर दिये गये हैं। इस सबका मतदाताओं पर गहरा असर दिख रहा है।

हमने यह भी पाया कि भाजपा सरकार जिस तरह नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चला रही है उसका भी असर मतदाताओं पर दिख रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी कड़े रुख को देखते हुए लोगों को इस बात का विश्वास है कि भाजपा सरकार नक्सलियों के आतंक से पूरी तरह मुक्ति दिला सकती है। इसके अलावा भाजपा की सरकार बनते ही जिस तरह जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के अभियान को झटका लगा है उससे भी लोग बेहद खुश दिखे।

दूसरी ओर, कांग्रेस के वादों पर कोई विश्वास करने को तैयार नहीं है क्योंकि जिस तरह महादेव एप घोटाले की छाया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर पड़ी है उससे कांग्रेस की छवि दागदार हो गयी है। यही कारण है कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के दौरान किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य देने और उनके कर्ज की माफी का जो वादा किया था, उसके बावजूद पार्टी को वोट नहीं मिले थे और वह सत्ता से बाहर हो गयी थी। इसलिए अब कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदलते हुए भाजपा पर यह आरोप लगाना शुरू किया है कि वह यदि सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी। कांग्रेस के जो भी नेता यहां प्रचार के लिए आ रहे हैं वह यही दावा कर रहे हैं कि भाजपा आदिवासी संस्कृति को नुकसान पहुँचाने के साथ ही आदिवासियों के अधिकारों में भी कटौती करेगी। कांग्रेस भाजपा के आला नेताओं के बार-बार राज्य के दौरे पर आने पर भी सवाल उठा रही है और दावा कर रही है कि पार्टी की खराब हालत के चलते आला नेताओं को छत्तीसगढ़ के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं इस मुद्दे पर भाजपा का कहना है कि उसकी रणनीति हमेशा यही रहती है कि ग्राम पंचायत से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत यानि संसद तक का हर चुनाव वह पूरी मजबूती के साथ और जीत हासिल करने के उद्देश्य से ही लड़ती है और इस काम में पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता और कार्यकर्ता तक जुटते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मैदानी अधिकारी फील्ड में रहे, लापरवाही करने पर सीआर में लिख देने निगम आयुक्त की चेतावनी

रायपुर। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों से फील्ड में अधिक रहने के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही करने पर सीआर में लिख देने की चेतावनी भी दी है। फील्ड में काम होने की निगरानी के लिए निगम द्वारा एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। कौन अधिकारी कहाँ पर है और क्या काम करा रहा है उसकी तस्वीर खींचकर अपलोड करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे करने से कार्य में तेजी आएगी और कार्य समय पर पूर्ण भी सकेंगे। आईटी के माध्यम से 18 से 24 अप्रैल तक फील्ड में रहने की समीक्षा की गई कि किस अधिकारी कितने प्रतिशत समय फील्ड में दिया। इसमें कुछ अधिकारियों के कमजोर रिपोर्ट देखकर कमिश्नर श्री मिश्रा नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि फील्ड रिपोर्टिंग की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। इसके लिए निगम की आईटी की एक टीम भी बनाई गई है । उन्होंने चेतावनी दी कि जिनका रिपोर्ट कमजोर रहेगा उनके सीआर में इस बारे में लिख दिया जाएगा।

मालवीय रोड में बिजली व केबल तारों से मिला छुटकारा, पुराने खंभे भी हटाए गए

रायपुर। शहर के व्यस्ततम व पुराने व्यावसायिक प्रक्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले मालवीय रोड को सुव्यस्थित करने का कार्य रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पूर्ण कर लिया है। नगर निगम कमिश्नर व रायपुर स्मार्ट सिटी के प्रबंध संचालक श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर इस मुख्य मार्ग में बेतरतीब बिजली के तारों को भूमिगत केबल बिछाकर व्यवस्थित किया गया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत मालवीय रोड के 650 मीटर लंबे मार्ग से 11 केवी एचटी के साथ एलटी लाइन की अंडर ग्राउंड केबलिंग की गई है तथा सीएसपीडीसीएल द्वारा पूर्व में स्थापित खंभे को हटाने का कार्य भी किया गया है। लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण किए गए इस प्रोजेक्ट के पूरा हो जाने से सड़कों के ऊपर फैले बिजली के तार हटा दिए गए है, वहीं केबल कनेक्शन के तार बिजली के खंभों पर लगे होने से तारों का जो जाल दिखाई देता था, उसे भी दूर किया गया है।

सदर बाजार एवं मालवीय रोड में चार पहिया वाहन प्रतिबंधित किये जाने के प्रस्ताव का विरोध

रायपुर। सदर बाजार एवं मालवीय रोड को चार पहिया वाहन हेतु प्रतिबंधित किये जाने के रायपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के प्रस्ताव का विरोध शुरु हो गया है। व्यापारी इस बात को लेकर नाखुश हैं कि यह एरिया एक प्रकार से प्रयोगधर्मी अधिकारियों का ठिकाना बन गया है,पहले जो प्रयोग हुए वह भी जिला प्रशासन व निगम ने ही बनाये थे लेकिन अपनी ही बनायी व्यवस्था को बनाये रखने में वे असफल रहे। सदर बाजार नो पार्किंग जोन घोषित किया गया था और यह व्यवस्था आज तक निरंतर जारी है,किंतु यातायात पुलिस की उपस्थिति नहीं रहने से यह व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। सामाजिक,धार्मिक,राजनीतिक व संगठन स्तर की रैली या जुलूस इस मार्ग से नहीं निकलेगा कहा गया था,यह भी नहीं हो पाया। वास्तविकता ये है कि आसपास के मार्गों का यातायात डायवर्ट करने के कारण इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनती है। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने सांसद व रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील सोनी को पत्र लिखकर इस प्रकार के किसी निर्णय पर रोक लगाने की मांग की है। श्री मालू ने कहा है कि मालवीय रोड एवं सदर बाजार शहर का हृदय स्थल एवं प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र है इस प्रकार के प्रयोग से आम जनता ,व्यापारियों एवं अन्य सभी वर्ग को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बारात निकलने से पहले दादी की मौत, फिर भी पहुंचा दो दूल्हा मतदान करने

कांकेर। कांकेर लोकसभा क्षेत्र में एक

अनोखा मामला सामने आया है जहां ग्राम कोकानपुर में धनकर परिवार के साथ दादी की मौत और दो दूल्हे की बरात यह सब कुछ एक ही दिन घटित हुआ। धनकर परिवार ने भी जागरूकता का परिचय देते हुए पहले मतदान को जरूरी समझा। धनकर के दोनों बेटों उमाशंकर और शेष कुमार की ग्राम कोकानपुर से आज ही बरात निकलनी थी। इसी दौरान दूल्हे के दादी का निधन हो गया। परिवार में निधन के बावजूद सभी सदस्यों ने मतदान करना उचित समझा और मतदान करने के लिए मतदान केंद्र में सभी परिवार जाकर अपना कीमती वोट दिया। इसके बाद ललित धनकर के दोनों बेटों उमाशंकर और शेष कुमार की ग्राम कोकानपुर से बरात निकली। इसके बाद घर के लोगों ने दादी का अंतिम संस्कार किया। धनकर परिवार समाज के लिए एक उदाहरण भी है। अपना वोट कीमती है वह कोई भी परिस्थिति हो वोट करना बहुत जरूरी व इस परिवार ने एक मिसाल कायम कर दी है।

विजय शर्मा सहित भाजपा नेताओं ने किया जीत का दावा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ की तीन लोकसभा सीट कांकेर, महासमुंद और राजनांदगांव में शुक्रवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। बड़ी संख्या में मतदाता मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। वहीं सभी लोकसभा सीट के प्रत्याशी और उनके परिजन भी अपने मताधिकार का उपयोग किए। इस बीच डिप्टी सीएम विजय शर्मा और पूर्व सांसद अभिषेक सिंह सहित भाजपा नेताओं ने जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के प्रति जनता में विश्वास कायम है। राजनांदगांव लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय की जीत के साथ भाजपा 11 शून्य के साथ जीत रहे है।

भाजपा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय ने परिवार सहित मतदान किया। वे अपने गृह ग्राम लोहारा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल मतदान केंद्र में मां, पत्नी, भाई और पुत्र के साथ मतदान किया। संतोष पाण्डेय की पत्नी और बहनों ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के पक्ष में माहौल है। जनता का भरपूर प्यार मिल रहा है। महिलाओं का भी पूरा समर्थन है। संतोष पाण्डेय रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे।

राजनांदगांव लोकसभा के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कन्या शाला स्कूल में मतदान किया। वोट डालने के बाद अभिषेक सिंह ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा एकतरफा जीत रही है। भूपेश बघेल के चुनाव लड़ने से भाजपा को ही फायदा हुआ है। चुनाव में भूपेश सरकार में जो काम नहीं हुए, जो घोटाले हुए वो मुद्दा रहा। मोदी सरकार के प्रति जनता में विश्वास कायम है। छत्तीसगढ़ में

11 शून्य के साथ भाजपा जीत रही है।

वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी मतदान किया। वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने भाजपा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय की जीत के साथ 11 शून्य से छत्तीसगढ़ में जीत का दावा किया है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस और भूपेश बघेल पर भी निशाना साधा।

अभिषेक सिंह का आरोप- बघेल के साथ आए लोगों ने की मारपीट

राजनांदगांव। राजनांदगांव में टेड़ेसरा के मतदान केंद्र में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़े, भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। भाजपा का आरोप है कि सरपंच और उपसरपंच के लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और महिलाओं के साथ मारपीट की।

वहीं पूर्व सांसद अभिषेक सिंह का आरोप है कि भूपेश बघेल के साथ भिलाई से आये लोगों ने महिलाओं के साथ मारपीट की है। वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भारी मतदान हो रहा है। उन्होंने राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की है। रमन सिंह ने दावा करते हुए कहा कि एक बड़े संकल्प के साथ तीसरी बार पीएम मोदी को इस देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

भूपेश बघेल मेरे लिए कोई चुनौती नहीं है - पांडेय

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के 3 लोकसभा सीटों राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर के लिए मतदान जारी है। इसी बीच राजनांदगांव के सांसद व भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने सपत्नीक सहसपुर लोहारा के बूथ क्रमांक 374 में मतदान किया है।

इसके साथ ही बड़े अंतर से जीत का दावा भी किया। मतदान करने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भूपेश बघेल मेरे लिए कोई चुनौती नहीं है। जब हमारा कोई व्यक्ति खड़ा होता है तो इनके पूरे माई पिछ्ला (परिवार) केरल की ओर भागने लगती है और वायनाड पहुंच जाती है। भूपेश बघेल के ट्वीट पर कहा कि लोकतंत्र और संविधान की सबसे ज्यादा धज्जी उड़ने वाला कांग्रेस व बघेल के स्वर्गीय पिता है।

ईवीएम में बाकी प्रत्याशियों की फोटो बड़ी लेकिन मेरी छोटी : भूपेश बघेल

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि लोकसभा के मतदाता फ़ोन करके शिकायत कर रहे हैं कि ईवीएम में बाकी प्रत्याशियों की फ़ोटो बड़ी और स्पष्ट है लेकिन मेरी फ़ोटो छोटी और अपेक्षाकृत अस्पष्ट है।

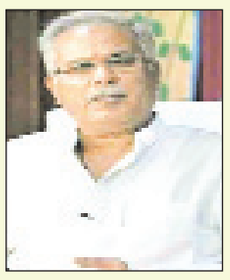

बघेल ने आगे कहा कि फ़ोटो तो वैसी ही दी गई थी जैसी चुनाव आयोग ने मांगी थी। यह निष्पक्षता के झ्र्ष्ष्ट्ठ्रक्ष्ठ्रश्चक्षदावों की कलई खोलता है। क्या यह षडयंत्रपूर्वक किया गया है? लेकिन इससे परिणाम नहीं बदलने वाला है।

इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा कि मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। महिलाएं, पुरुष और फर्स्ट टाइम वोटर सभी लंबी कतार में लगे हुई हैं। कहीं पर 50 प्रतिशत कहीं पर 60 प्रतिशत मतदान होने की खबरें हैं। छत्तीसगढ़ में शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि अभी पंडरिया में 114 पोलिंग बूथ में पुलिस वाले डराने धमकाने के काम कर रहे हैं। दूसरी ओर तेड़ेसरा में गुंडागर्दी की हद हो गई है।

पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे बूथ पर जाने के लिए रोका जा रहा है। कह रहे हैं कि बूथ पर जाने का अधिकार नहीं है। मेरे खिलाफ मुर्दाबाद का नारा भी लग रहे हैं लेकिन उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। बूथ में जाने के लिए कैसे रोक सकते हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग मुझसे धक्का मुक्की कर रहे थे। उन्होंने राजनांदगांव लोकसभा सीट से जीत दावा किया है।

भूपेश बघेल ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि ईवीएम पर अभी कहीं एक जगह पता चला कि जो नंबर मशीन थी, जो अलॉट हुआ था। उसके जगह में दूसरे नंबर की मशीन आया था। इस प्रकार की शिकायतें आई हैं और कई जगहों पर मशीन बिगड़ने की शिकायत आई हैं।

छत्तीसगढ़ में 11 की 11 सीटें जीतेगी भाजपा : रमन सिंह

■ सीएम साय के काम और मोदी की गारंटी का दिखेगा मैजिक

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में बीजेपी की जीत का दावा किया है।डॉ रमन सिंह के मुताबिक छत्तीसगढ़ में बीजेपी एक बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा चुनाव में मतदाता अपना आशीर्वाद देने के लिए तैयार हैं। डॉ रमन सिंह ने दूसरे चरण के मतदान को लेकर कहा कि परिणाम साफ दिख रहा है कि भारतीय जनता पार्टी आगे है।

रमन सिंह ने कहा मोदी की गारंटी है। और विष्णुदेव साय के किए गए तीन चार महीनों में किए गए काम का रिजल्ट है।21 सौ रुपए में 31 क्विंटल धान खरीदी 37 सौ करोड़ रुपए का बोनस है। किसानों को दिए गए योजनाओं का लाभ है।70 लाख बहनों को महतारी वंदन योजना एक हजार

रुपया महीना है।ऐसी योजनाओं के साथ मोदी की गारंटी भी है।

सीएम साय और मोदी की गारंटी लाएगी रंग ः मोदी समेत कई स्टार प्रचारक छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। बीजेपी के लिए प्रचार कर रहे हैं।उनकी मेहनत रंग ला रही है।हमारा इस बार बड़ा लक्ष्य 11 की 11 लोकसभा सीट को जीतना है। इस दौरान रमन सिंह ने जनता से अपील की है कि वो ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान का हिस्सा बनें।

कहीं भी भाजपा की लहर नहीं : अलका लांबा

रायपुर। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा छत्तीसगढ़ के 3 दिवसीय दौरे पर है। आज राजधानी रायपुर के कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में अलका लांबा ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आज देश में दूसरे चरण का चुनाव है। छत्तीसगढ़ की तीन लोकसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। सभी घर से निकलकर वोट जरूर करें। साथ ही उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। अलका लांबा ने कहा, कहीं भी भाजपा की लहर नहीं है। 400 पार का दावा झूठ साबित होगा। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री पर बम फेंकने का भी आरोप लगाया है।

छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा लोकसभा का दौरा है। लगभग 22 राज्यों में दौरा हुआ है। दक्षिण केरला में आज 20 की 20 सीटों पर वोट हो रहा है। गोवा, असम और गुवाहाटी की चुनाव के लिए प्रचार कर रही है। कहीं भी भाजपा की लहर नहीं है। 400 पार ना तो सफल नहीं हो रहा है। पूरे देश में भाजपा की कोई लहर नहीं है। 400 पार का दावा झूठ साबित होगा।

अलका लांबा ने कहा कि 10 साल अन्याय और तानाशाही का काल रहा। बंद कमरे में भाजपा ने घोषणा पत्र बनाया। कांग्रेस की घोषणा पत्र 10,000 किलोमीटर की यात्रा से निकली। महिला, किसान, युवा, मजदूर सबकी सुनकर घोषणा पत्र तैयार किया गया है। राजस्थान में बीजेपी को भारी नुकसान हो रहा है। कांग्रेस 5 न्याय, 25 गारंटी पर चुनाव लड़ रही है। प्रधानमंत्री की हिम्मत नहीं कि इन मुद्दों पर बात कर सकें। इसलिए झूठ से जनता को भ्रमित कर रहे। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, इंडिया एलायंस मजबूती के साथ मुद्दों को लेकर आगे बढ़ रही है। 180 से 200 सीटों तक भाजपा को रोकने में हम कामयाब हो जाएंगे। भाजपा और आरएसएस की हिम्मत नहीं हो रही की वह चुनाव लड़ें।

किसानों के आंदोलन और देश में बेरोजगारी पर अलका लांबा ने कहा, किसान आज भी आंदोलन कर रहे हैं। किसान घायल हैं और न्याय मांग रहे हैं। बेरोजगारी ने आज 45 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए।

अग्निवीर योजना को लेकर उन्होंने कहा कि कफन में शाहिद दफन होता था, परिजनों को पेंशन मिलता था। अग्निवीर योजना की ठेके पर भर्ती की जाती थी। पंजाब से एक युवा भर्ती हुआ, सीने पर गोली खाई पर नाम के आगे शहीद नहीं लिखा गया, क्योंकि अग्निवीर योजना में ठेके में भर्ती किया गया था। निजी वैन में शव लाया जाता है और पैसा परिजनों से मांगा जाता है। इसलिए कांग्रेस सरकार बनने के बाद अग्निवीर योजनाको भंग किया जाएगा। धार्मिक भाषणों के जरिए वोट मांगने को लेकर अलका लांबा ने कहा, धर्म के आधार पर प्रधानमंत्री वोट मांग रहे हैं। 370 के नाम पर वोट मांगा जा रहा है। यह चुनाव राष्ट्र का चुनाव है, क्षेत्रीय मुद्दों पर राज्य के चुनाव हुए हैं। यह देश को बचाने का चुनाव है। सत्ता में आए या ना आए कांग्रेस आंदोलन करते रहेगी। कांग्रेस बाबासाहेब के संविधान को आरएसएस के संविधान से बदलने नहीं देगी।

भूपेश बघेल के बयान पर मंत्री केदार कश्यप का पलटवार

■ कहा- हार के बाद कांग्रेस नेता इलेक्शन कमीशन, ईवीएम पर लगाएंगे आरोप

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बूथ में नहीं जाने देने के आरोप को मंत्री केदार कश्यप ने अनर्गल करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता हार के बाद इलेक्शन कमीशन, सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम पर आरोप लगाएंगे। कांग्रेस की हार सुनिश्चित है। पब्लिक उन्हें सुनना भी पसंद नहीं करती।

वहीं मंगल सूत्र पर कांग्रेस नेता अलका लांबा के भाजपा पर आरोप लगाए जाने पर मंत्री केदार कश्यप ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निजी और व्यक्तिगत तौर पर प्रधानमंत्री पर आरोप लगाने की कोशिश की है। किसी ने खून का प्यासा कहा, किसी ने सर फोड़ने की बात कही, कोई चौकीदार, चोर बताया है। यह उनकी मानसिकता है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने तय कर लिया है कि एक बार फिर से (भाजपा

को) देश की बागडोर दे। पूरे अंतरराष्ट्रीय पटल पर वर्चस्व स्थापित हो रहा है। वह फिर से स्थापित हो।

छत्तीसगढ़ की तीन सीटों पर चल रहे मतदान के बीच केदार कश्यप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांकेर में भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के 1 लाख 11 हजार वोटों से, राजनांदगांव में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय 2 लाख वोटों से और महासमुंद में भी बड़े अंतर से भाजपा की जीत होने जा रही है।

कांग्रेस नेताओं का प्रदेश में आज से शुरू हो रहे हवाई दौरे पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पीसीसी चीफ दीपक बैज तो बस्तर के चुनाव से ही गायब थे। अब वे चेहरा दिखाने भले हवाई दौरा कर लें, लाभ नहीं होगा। पीसीसी का मतलब अब पार्टी ऑफ करप्शन एंड क्राइम बन गया है, इसके दीपक बैज मुखिया हैं। वो कुछ भी कर लें लाभ नहीं होगा।

भूपेश बघेल बोले- मुझे बूथ पर जाने से रोका जा रहा है

राजनांदगांव। कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा कि मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। महिलाएं, पुरुष और फर्स्ट टाइम वोटर सभी लंबी कतार में लगे हुई हैं। कहीं पर 50 प्रतिशत कहीं पर 60 प्रतिशत मतदान होने की खबरें हैं। छत्तीसगढ़ में शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि अभी पंडरिया में 114 पोलिंग बूथ में पुलिस वाले डराने धमकाने के काम कर रहे हैं। दूसरी ओर तेड़ेसरा में गुंडागर्दी की हद हो गई है। पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे बूथ पर जाने के लिए रोका जा रहा है। कह रहे हैं कि बूथ पर जाने का अधिकार नहीं है। मेरे खिलाफ मुर्दाबाद का नारा भी लग रहे हैं लेकिन उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। बूथ में जाने के लिए कैसे रोक सकते हैं।

पूर्व विधायक देवती कर्मा के बंगले में अचानक चली गोली

■ हेड कांस्टेबल की मौत, एक जवान घायल

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आज सुबह सात से आठ बजे के बीच पूर्व विधायक देवती कर्मा के सिविल लाइन बंगले में अचानक गोली चल गई। गोली चलने से एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई है। वहीं बीआईपी सिक्योरिटी कंपनी के एपीसी घायल बताया जा रहा है। पूरा मामला सिविल थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब असिस्टेंट प्लाटून कमांडर राम कुमार दोहरे और हेड कांस्टेबल अजय सिंह पुलिस बैरेक में अपने हथियारों की सफाई कर रहे थे। सफाई के दौरान अपने लाइसेंसी पिस्टल से एक्सीडेंटल फायरिंग हो गई। इससे हेड कांस्टेबल अजय सिंह की मौत हो गई। वहीं

असिस्टेंट प्लाटून कमांडर राम कुमार दोहरे घायल बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि जब आचानक गोली चली तो असिस्टेंट प्लाटून कमांडर के हथेली को पार करते हुए प्रधान आरक्षक अजय सिंह के सीने में गोली लगी। इससे हेड कांस्टेबल को इलाज के लिए, मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई है। वहीं घायल असिस्टेंट प्लाटून कमांडर को इलाज जारी है। मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस जांच में जुटी है।

पीएससी घोटाले और बिरनपुर हत्याकांड की होगी सीबीआई जांच, केन्द्र ने जारी की अधिसूचना

रायपुर। छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2021 में हुई अनियमितता की जांच सीबीआई करेगी। केन्द्र सरकार ने इस मामले में विधिवत अधिसूचना जारी कर दी है। सीएम विष्णुदेव साय सरकार ने भी पीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ी और युवाओं की शिकायत को लेकर 3 जनवरी 2024 कैबिनेट बैठक में इस मामले की सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया था। राज्य सरकार की सहमति मिलने के बाद केन्द्र सरकार ने जांच के लिए अधिसूचना जारी कर यह मामला अब सीबीआई के सुपुर्द कर दिया है। केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार होने से गंभीर प्रकृति के अपराधों की जांच-पड़ताल सीबीआई से कराने का रास्ता साफ हो गया है। जल्द ही यह मामला भी सीबीआई के जिम्मे होगा।

छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2021 में राज्य के 12 विभागों के लिए 170 पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी

की गई थी। चयन सूची जारी होते ही प्रतिभागी युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा था। युवाओं ने चयन प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद और गड़बड़ी को लेकर कई शिकायतें की थी। मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई थी। एन्टीकरप्शन ब्यूरो/आर्थिक अपराध ब्यूरो ने भी इस मामले में अपराध दर्ज किया था।

विधानसभा चुनाव के दौरान यह मामला राज्य में काफी गरमाया हुआ था। पीएससी परीक्षा 2021 में की हुई अनियमितता को लेकर राज्य के युवाओं में बेहद आक्रोश था और इसको लेकर युवा सड़कों पर उतर आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य के युवाओं के आक्रोश को देखते हुए इस मामले की जांच कराने और दोषी लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की गारंटी दी थी। पीएम मोदी की राज्य के युवाओं से की गई यह गारंटी भी अब सीबीआई के सुपुर्द होते ही पूरी हो गई है।

राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने राज्य में घटित होने वाले गंभीर से गंभीर अपराधों की जांच-पड़ताल सीबीआई से कराने को लेकर किनारा कर लिया गया था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान घटित कई मामलों में सीबीआई से जांच कराने की मांग को न सिर्फ सिरे से खारिज कर दिया गया था, बल्कि राज्य में सीबीआई को आने को लेकर ही रोक लगा दी गई थी।

जारी अधिसूचना के अनुसार दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम की धाराओं में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपराध संख्या 28/2024 से संबंधित मामलों की खोज और जांच करने के लिए, पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान के सदस्यों की शक्तियों और अधिकार क्षेत्र का विस्तार किया है। छत्तीसगढ़ सरकार गृह विभाग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2021 की अनियमितताओं की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में अधिसूचना 16 फरवरी 2024 एवं संशोधित अधिसूचना दिनांक 10 अप्रैल 2024 को जारी की गई थी।

पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जताया सुकून

रायपुर। पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच का नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। प्रदेश सरकार के फैसले पर मोदी सरकार की मुहर लगने पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सुकून जताया है। इसके साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ के भाई-बहनों के साथ न्याय होने की बात कही।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और कांग्रेस की सरकार के समय छत्तीसगढ़ के भाई-बहनों के लिए, जो नौकरियां निकलती थी, पीएससी में उसके लिए मंडी सजाई जाती थी। इसके खिलाफ हमने सड़क की लड़ाई लड़ी थी, संघर्ष किया था। छत्तीसगढ़ के भाई-बहनों के साथ हम खड़े हुए थे। मंत्री चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार ने सीबीआई जांच का फैसला लिया और मुझे बड़ा सुकून है कि केंद्र की मोदी सरकार ने उसे कल नोटिफाई कर दिया है। मुझे पूरा भरोसा है दूध का दूध और पानी का पानी होगा। छत्तीसगढ़ के भाई-बहनों के साथ न्याय होगा।

सियासत के संग्राम में नारों का जोर-शोर

अजय कुमार

चुनाव के बनते-बिगड़ते समीकरणों के बीच चुनावी नारे खूब रंग जमाते रहे हैं। शुरुआती चुनाव से मौजूदा दौर तक चुनावी नारे सियासी दलों की विचारधारा की तस्वीर को जनता के बीच साफ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। इन्हीं नारों की पतवार के सहारे कई पार्टियों की नैया भी पार लगी है तो कई बार कुछ नारे जमीदोज भी हो गये। अब तो चुनावी नारों के साथ-साथ राजनीतिक विरोधियों पर हमला करने से लेकर मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने तक, लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों के कई हास्य तत्वों सहित रंगीन मीम्स की सोशल मीडिया पर बाढ़ भी देखने को मिलती है, इंस्टाग्राम से लेकर एक्स तक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चुनावों से पहले राजनीतिक बढ़त के लिए कड़वे पोस्टर युद्ध और यहां तक कि कड़वे मीम की लड़ाई भी देखी जा सकती है। मतदाताओं, विशेषकर युवा और पहली बार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए मीम्स का इस्तेमाल किया है, जो कई बार विचित्र होते हैं। लोकसभा चुनाव में सबसे पहला लोकप्रिय नारा सन 1971 के आम चुनाव में गरीबी हटाओ रहा। इस नारे की गूंज गली-गली तक रही और इंदिरा गांधी को लोगों ने हाथों हाथ लिया था। 1971 में गरीबी हटाओ नारे के साथ इंदिरा गांधी ने लोगों से भावनात्मक रिश्ता कायम करने में सफलता हासिल की। आम लोगों के दिल को छूने वाला यही नारा एक बड़ा मुद्दा बन गया। चुनाव प्रचार के दौरान इंदिरा गांधी लोगों से कहती थीं कि वह कहते हैं कि इंदिरा हटाओ, हम कहते हैं गरीबी हटाओ। इसी पर इंदिरा के समर्थन में एक और नारा लोकप्रिय हुआ...जात पर न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। 1977 में जननायक जयप्रकाश नारायण ने कांग्रेस के ख़िलाफ़ चुनाव में इंदिरा हटाओ, देश बचाओ का नारा दिया था। उस साल जनता पार्टी ने कांग्रेस को हराकर जीत हासिल की और इसमें इस नारे का बहुत बड़ा हाथ था। 1996 और 1998 के चुनावी मैदान में राजतिलक की करो तैयारी आ रहे अटल बिहारी को खूब लोकप्रियता मिली, लेकिन इसके बाद हुए आम चुनाव में बीजेपी का इंडिया शाइनिंग नारा पूरी तरह से धाराशायी हो गया था। 2014 से 2019 लोकसभा चुनाव में हर-हर मोदी और मोदी है तो मुमकिन है का नारा भी चुनावी रणक्षेत्र में खूब गूंजा। भाजपा की हर रैली में इस नारे का शोर रहा। इसका असर यह रहा कि 2014 में भाजपा का वोट प्रतिशत तेजी से बढ़ा। आज की तारीख में लोकसभा चुनाव के लिए नारों का शोर गली-मोहल्लों में भले ही न सुनाई दे रहा हो, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंच बना रहे हैं। इनका असर पहले से अधिक प्रभावी है। कब जनता के बीच कौन सा नारा सिर चढ़ कर बोला इसकी बात की जाये तो वर्ष 1952 में खरा रुपैया चांदी का, राज महात्मा गांधी का और देश की जनता भूखी है,यह आजादी झूठी है खूब हवा में उछला था। इसी तरह वर्ष 1957 में जली झोपड़ी भागे बैल,यह देखा दीपक का खेल, जिस दीपक में तेल नहीं, सरकार बनाना खेल नहीं। वर्ष 1962 में, जाटव-मुस्लिम भाई-भाई, बाकी कौम कहां से आई। सिंहासन खाली करो जनता आती है। वर्ष 1967 में जय जवान जय किसान। वर्ष 1977 में बेटा कार बनाएगा, मां सरकार बनाएगी।यह नारा संजय गांधी और इंदिरा गांधी पर कटाक्ष करते हुए गढ़ा गया था। इसी के साथ जमीन गर्क चकबंदी में, मकान ढह गया हटबंदी में। दरवाजे पर खड़ी औरतें चिल्लाएं, मेरा मर्द गया नसबंदी में भी काफी प्रभावी रहा था। वर्ष 1980 में इंदिरा जी की बात पर मुहर लगेगी हाथ पर, का नारा लगा। वर्ष 1984 में जब तक सूरज चांद रहेगा, इंदिरा तेरा नाम रहेगा। उठे करोड़ों हाथ हैं, राजीव जी के साथ हैं। वर्ष 1996 में 'सबको देखा बारी-बारी, अबकी बारी अटल बिहारी।' महंगाई जो रोक न पाई वो सरकार निकम्मी है जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है। वर्ष 2004 में शाइनिंग इंडिया, कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ नारे की धूम रही थी। वर्ष 2014 में 'अबकी बार मोदी सरकार, अच्छे दिन आने वाले हैं और हर हर मोदी, घर घर मोदी। वर्ष 2019 में 'सबका साथ सबका विकास', 'मोदी है तो मुमकिन है। मोदी हटाओ, देश बचाओ, अब होगा न्याय। इस बार वर्ष 2024 में मोदी की गारंटी, अबकी पार 400 पार। कांग्रेस का हाथ बदलेगा हालात सपा का 'घर घर बेरोजगार मांगे रोजगार नारा चर्चा है।

संपत्ति बंटवारे में किसका होगा वारा न्यारा?

संजय तिवारी

अभी ज्यादा पुरानी बात नहीं है। 2016 के नवंबर महीने की आठ तारीख की रात अचानक देश में नोटबंदी की घोषणा कर दी गयी। रात के बारह बजे से सभी पुराने नोटों को अमान्य घोषित कर दिया गया। बहुत अफरा तफरी मची। किसी तरह कई महीने में हालात काबू में आये। उस समय स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार अपने भाषण में कहा था कि इस नोटबंदी से गरीब आदमी का फायदा ही हुआ है।

असल में वो इशारा कर रहे थे कि जिन्होंने बहुत सारा कैश रखा हुआ था जब उन्हें नोट बदली करवाना हुआ तो अपने यहां काम करनेवाले या परिचित गरीब लोगों के एकाउण्ट में ढाई लाख तक जमा करवाया। इसमें से कुछ तो कमीशन देकर ये रकम वापस पा गये बाकी बहुत से लोगों का पैसा लेकर %गरीब आदमी% गायब हो गये। पीएम मोदी शायद इसीलिए बोल रहे थे कि नोटबंदी से गरीब आदमी का फायदा ही हुआ है।

वर्ष 2016 में नोटबंदी में %गरीब आदमी का फायदा% बताने वाले वही प्रधानमंत्री मोदी आज लोगों को बता रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आयी तो वह धनी लोगों की संपत्ति का बंटवारा उन लोगों में कर देगी जिनके पास बच्चे अधिक है। अर्थात जो अमीर हैं, पैसेवाले हैं उनका पैसा और संपत्ति लेकर कांग्रेस गरीबों में बांट देगी। अब सवाल यह उठता है कि कौन से मोदी पर यकीन करें? वह जो नोटबंदी में पैसा दबा लेनेवाले गरीबों का फायदा बता रहा था या फिर वह जो %अमीरों का पैसा गरीबों में बांटने% के कांग्रेस के वादे पर सवाल उठा रहे हैं? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या यह बात सही है कि कांग्रेस के घोषणापत्र में इस तरह का कोई वादा किया भी गया है या नहीं?

इसके लिए सबसे पहले कांग्रेस के घोषणापत्र की ही पड़ताल करनी होगी। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में आर्थिक न्याय कॉलम के तहत कह रही है कि वह कंपनियों के एकाधिकार, अल्पाधिकार और क्रोनी कैपिटलिज्म का विरोध करती है। कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी कंपनी या व्यक्ति उन सुविधाओं को सिर्फ अपना न समझे जो सभी उद्यमियों के लिए उपलब्ध है। कांग्रेस घोषणापत्र में कही गयी इसी बात को प्रधानमंत्री मोदी ने संपत्ति के बंटवारे से जोड़कर इस तरह प्रस्तुत किया है मानों कांग्रेस सत्ता में आयी तो सभी अमीर लोगों की संपत्ति छीनकर गरीबों में बांट देगी। इस आरोप का जवाब देते हुए कांग्रेस के हितैषी सैम पित्रोदा ने जो बात कही उससे भी विवाद बढ़ गया। सैम पित्रोदा ने कहा है कि बड़ी कंपनियों की संपत्ति या वेल्थ क्रियेशन को एक सीमा के बाद सीमित किया जा सकता है। अमेरिका जैसे कैपिटलिस्ट देश में भी यह होता है।

सैम पित्रोदा का कहना है कि कोई भी व्यक्ति जो संसाधन इकट्ठा करता है और उससे इतनी बड़ी कंपनी का निर्माण हो जाता है जो अरबों-खरबों डॉलर के मूल्य वाली हो तो ऐसे व्यक्ति के मरने पर जरूरी नहीं कि वह सारी संपत्ति उसके बच्चों के पास जाए। उसका आधा हिस्सा सरकार के पास भी जा सकता है जिसका इस्तेमाल जनकल्याण के लिए होगा।

आखिरकार उस कंपनी की इतनी बड़ी पूंजी बनाने के पीछे सरकारी सुविधाओं का भी योगदान होता है।

सैम पित्रोदा ने इसके लिए अमेरिका के इन्हैरिटेन्स टैक्स उदाहरण दिया है जहां किसी बड़ी कंपनी के मालिक के मरने के बाद उसकी संपत्ति का 55 प्रतिशत वेल्थ सरकार के पास चला जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उस संपत्ति को बनाने में उस व्यक्ति के बच्चों का कोई रोल नहीं होता। सैम का कहना है कि यह सिर्फ उन कंपनियों के मामले में ही होता है जो बड़ी कॉरपोरेशन हैं। सैम का कहना है कि दुनिया के हर पूंजीवादी लोकतंत्र में इस तरह की व्यवस्था है ताकि कंपनियां इतनी बड़ी न हो जाएं कि सरकार चलाने लगें। सैम का कहना है कि भारत के संदर्भ में भी ऐसे उपायों पर चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस या फिर उसके समर्थक सैम पित्रोदा जो कह रहे हैं वह सिर्फ बड़े कॉरपोरेट घरानों के संदर्भ में है। उसका सामान्य धनिकों या कारोबारियों से कोई लेन देन नहीं है। फिर भी यहां यह तथ्य नहीं भूलना नहीं चाहिए कि अमेरिका में इस तरह का कानून होने के बावजूद आज दुनिया में सबसे बड़े कॉरपोरेट घराने अमेरिका में ही पाये जाते हैं। इन्हैरिटेन्स एक्ट होने के बावजूद अमेरिकी कंपनियां दुनियाभर में घूमकर वेल्थ क्रियेशन करती हैं और अमेरिकी सरकार उनके लिए लॉबींग भी करती है।

लेकिन वो अपने अनुभवों से वो यह बात भी समझते हैं कि कंपनियां इतनी प्रभुत्वशाली नहीं होनी चाहिए कि सरकार के काम काज में दखल देनें लगे। एक ऐसी कंपनी ईस्ट इंडिया कंपनी के कारण ही भारत डेढ सौ साल अंग्रेजों का गुलाम रहा। ईस्ट इंडिया कंपनी कारोबार करते करते इतनी बड़ी हो गयी कि उसने शासन करने और सेना जमा करने का काम भी शुरु कर दिया। भारत ने उसकी क्या कीमत चुकाई हम सब उसका इतिहास जानते हैं।

लेकिन बीते कुछ दशकों से भारत में बड़ी कॉरपोरेशन बनाने की मुहिम सी चल रही है। केन्द्र में बैठी सरकारों को भी लगता है कि अगर देश में पांच दस इतनी बड़ी कंपनियां बना दी जाएं जो दुनिया के बड़े कॉरपोरेट घरानों के बराबर हों तो हम भी संसार में एक आर्थिक महाशक्ति बनकर उभर सकते हैं। लेकिन कंपनियां केवल कहने से तो बड़ी नहीं बन जाती। इसके लिए उनके पास बड़ा कारोबार और कारोबार पर एकाधिकार होगा तभी वो एक बड़ी कॉरपोरेशन के रूप में स्थापित होंगी।

ऐसा करने के लिए सरकारों की नीति ऐसी बनायी जा रही है कि उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में बड़े कॉरपोरेशन के लिए रास्ता तैयार किया जा रहा है ताकि छोटे कारोबारी उसमें से बाहर हो जाएं। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक बड़े कॉरपोरेट घराने तैयार नहीं होंगे। सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य भारत में ऐसा बहुत तेजी से हो रहा है। ऑक्सफैम के अनुसार भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत अमीर लोगों के पास देश की कुल पूंजी का 77 प्रतिशत केन्द्रित हो चुका है। बीते एक दशक में खरबपतियों की पूंजी में दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जबकि इसके उलट देश के 77 करोड़ लोगों की आय में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

विकास का यह दृष्टिकोण किसी भी रूप से भारत के हित में नहीं है। इससे जो असमानता निर्मित हो रही है वह आज नहीं तो कल एक गृहयुद्ध को निमंत्रण देगी। 140 करोड़ लोगों के देश में आय की असमानता और विकसित होने के अवसर उस प्रकार निर्धारित नहीं किये जा सकते जैसा यूरोप के छोटे छोटे देशों में हुआ है। भारत की सामाजिक स्थिति ऐसी है कि यहां बड़े कॉरपोरेट घरानों वाला मॉडल बड़ी तबाही ले आयेगा। इसकी इतनी बड़ी सामाजिक कीमत चुकानी पड़ेगी जिसकी अभी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। अगर देश का सारा कारोबार कुछ चुनिंदा कारपोरेट घरानों तक सिमटता जाएगा तो सबसे पहली समस्या नौकरी और रोजगार की खड़ी होगी। दूसरी समस्या पूंजी के भीषण केन्द्रीकरण की होगी जिसके कारण आय की असमानता में जमीन आसमान का अंतर आयेगा।

जैसे जैसे ये दोनों परिस्थितियां बनती जाएंगी एक तीसरा संकट पैदा होगा और वह होगा लॉ एण्ड आर्डर का। अगर किसी समाज में उसके एक बड़े वर्ग को पूंजी निर्माण से दूर कर दिया जाता है तो वहां चोरी, डकैती, छिनैती, राहजनी जैसी घटनाएं बहुत तेजी से बढ़ती हैं। आज हमारे शहरों में इसके हालात बनने शुरु हो गये हैं जिन्हें पुलिसवाले एफआईआर न लिखकर छिपाये हुए हैं। दिल्ली की कच्ची कालोनियां हों या फिर मुंबई की झुग्गी झोपड़ी। वहां ये घटनाएं आम होती जा रही हैं।

ऐसे में वेल्थ क्रियेशन पर कहीं न कहीं सरकार के स्तर पर ही चेक रखना होगा। चार बड़े कॉरपोरेट घरानों को खड़ा करके हम बाकी को मुफ्त राशन देकर आर्थिक न्याय नहीं कर सकते। आर्थिक विकास का अवसर सबके लिए समान होना चाहिए और ट्रिकल डाउन थ्योरी को सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यावहारिक बनाना होगा ताकि पूंजी का प्रवाह समाज में नीचे तक पहुंचे और ईज आफ डूईंग बिजनेस के बजाय सबके लिए ईज ऑफ लिविंग लाइफ संभव हो सके। इसलिए कांग्रेस या सैम पित्रोदा जो कह रहे हैं उसे सही संदर्भों में समझने और विश्लेषित किये जाने की जरूरत है। देश में दस अरबपतियों की संपत्ति में सौ गुना बढोत्तरी हो जाने से राष्ट्र संप्रभु नहीं होगा। वह तब होगा जब आम जन के पास पूंजी होगी। अतीत में भारत सोने की चिड़िया था तो इसी कारण था क्योंकि वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन का इससे बढिया मॉडल संसार में कहीं नहीं था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

सुषुम्ना नाड़ी के मुख पर जो (बाधक) कफ आदि रहता है, इसके अभ्यास से वह सब नष्ट हो जाता है तथा सत, रज, तम इन तीनों गुणों से उत्पन्न तीनों ग्रंथियों का भेदन करता है। इसलिए विशेष रूप से इस भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए।

निष्पाप योगी को इन चारों प्रकार के प्राणायामों के कुम्भक के समय तीन प्रकार के बन्ध (मूलबन्ध, उड्डियान बन्ध एवं जालन्धर बन्ध) भी लगाने चाहिए। प्रथम को मूलबन्ध, द्वितीय को उड्डियान बन्ध और तीसरे को जालन्धर बन्ध कहते हैं। अब उनके लक्षण अर्थात् साधना की विधि कहते हैं। शरीर के अधोभाग में विचरण करने वाले अपान वायु को, गुदा को संकुचित करके बलपूर्वक ऊपर उठाने की प्रक्रिया को मूलबन्ध कहते हैं।

अपान वायु ऊर्ध्वगमन करके जब वह्निमण्डल से योग करता है, उस समय वायु से आहत होकर अग्नि बहुत तेज हो जाती है। तत्पश्चात् उष्ण स्वरूप वाले प्राण में अग्नि और अपान के मिल जाने पर, उसके प्रभाव से देहजन्य विकार जल जाते हैं। (इसके बाद) उस अग्नि से तप्त होकर सुप्त कुण्डलिनी जाग्रत् होकर प्रताड़ित की हुई सर्पिणी के समान फुंकारती हुई सीधी हो जाती है।

उस समय यह अग्नि (कुण्डलिनी) विवर में प्रवेश करने की तरह सुषुम्ना नाड़ी के भीतर प्रवेश कर जाती है, इसलिए इस मूलबन्ध का अभ्यास योगियों को सदैव करते रहना चाहिए।

कुम्भक करके जब रेचक करते हैं, उससे पहले उड्डियान बन्ध किया जाता है, जिसके करने से यह प्राण सुषुम्ना नाड़ी के भीतर ऊर्ध्वगमन करता है, इसीलिए योगीजनों द्वारा यह उड्डीयाण कहलाता है। इसके लिए वज्रासन में बैठकर पैरों पर दोनों हाथों को दृढ़ता पूर्वक रखे।

क्रमशः ...

गर्मियों की छुट्टियां और भूले-बिसरे दिन

डॉ. नाज परवीन

एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों का नाम सुनते ही गांव की खुली हवा, दादी-नानी का आंगन नीम की छांव में चहलकदमी करते बच्चें, पेड़ों में डले झूलें, परंपरागत खेल याद आने लगते थे। गर्मियां आने से पहले ही दादी-नानी, बुआ- मौसी के घरों में गर्मियों की छुट्टियों की तैयारियां शुरू हो जाया करती थी, जिनका आनंद सुहाना लगता था।

दरअसल, यह एक ऐसा अवसर होता था जब परिवार के सभी भाई-बहनों का जमावड़ा एक साथ एक जगह एक ही समय पर होता था। घर का माहौल शादी-ब्याह के समारोह जैसा लगने लगता था। बच्चे भी स्कूल और पढ़ाई के तनाव से कुछ पल के लिए छूट जाते थे और प्रकृति की गोद में हस्ते खिलखिलाते थे। हालांकि

स्कूल के द्वारा गृहकार्य या होमवर्क बराबर मिलता था लेकिन वह भी विशेषकर इमला-राइटिंग या निबंध-पहाड़े लेखन आदि से आगे कम ही होता था।

यह एक ऐसा समय होता था जब छुट्टियों का अलग ही आनन्द होता था। जब माता-पिता बड़े-बूढ़ों के दबाव में स्कूल की छुट्टियों का काम करने का दबाव न बना पाते थे और बच्चे प्रतिदिन के जकड़न भरे नियमों से दूर हो लेते थे, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने में काम आते थे साथ ही उनकी यादों के कैलेण्डर में एक खूबसूरत सा अध्याय जुड़ जाता था जिसे वो अपनी स्मृति में संजो लेते थे। आज भी ऐसे अनगिनत किस्से हमारी यादों के पिटारे में मौजूद हैं जिनमें हमने बंधन मुक्त मौज-मस्ती से भरी छुट्टियों का आनन्द लिया था। लेकिन अब ज्यादातर मामलों में ऐसा देखने को नहीं मिलता। आज की गर्मियों की छुट्टियां पहले से विकसित हो गई हैं।

आज भी गर्मियां आते ही बच्चों को जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार रहता है, वो है स्कूलों की छुट्टियां। बच्चों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं होता। लेकिन अब हम पहले जैसी छुट्टियों की स्वतंत्रता को खोते जा रहे हैं। अब हम ज्यादा विकसित और समझदार छुट्टियां गुजारने लगे हैं, जिससे बच्चों पर दबाव कम होने की बजाय उन पर अनचाहा दबाव बनाते जा रहे हैं। जिससे बच्चा एक स्कूल से निकल दूसरे स्कूल के चक्कर में फंसता जा रहा है।

शहरी संस्कृति के समर कैंप, एक्स्ट्रा क्लासेस, दुनियाभर की एक्टिविटीज के जाल से बच्चे अपनी छुट्टियों की आजादी को एन्जॉय ही नहीं कर पा रहे हैं। वे अब परंपरागत् खेलों से अनजान होते दिखाई दे रहे हैं गिल्ली-डंडा, खो-खो, कोड़ा मार, लुका-छुप्पी, गुटटे, गिप्पा आदि अनेक खेलों का जन्म इन्हीं गर्मियों की छुट्टियों की देन है, जिन्हें आज की पीढ़ी नहीं जानती।

आज की पीढ़ी इन्हें मोबाइल गेमों में तलाश रही है। जिन खेलों का जन्म ही शारीरिक विकास के लिए किया गया होगा उन्हें ऑन स्क्रीन गेम की तरह एंजॉय करना विकसित छुटिटयों की देन है। आज के दौर में जहां ज्यादातर घरों में माता-पिता दोनों ही कामकाजी हैं, वहां कुछ समय निकालकर बच्चों की छुट्टियों को यादगार बनाने का प्रयास किया जा सकता है।

ईरान-इजरायल का टकराव खतरनाक मोड़ पर

हर्ष वी पंत

इजरायल और ईरान में तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों का लंबे समय से चला आ रहा शत्रुतापूर्ण संबंध एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। वर्ष 1990 में पहले खाड़ी युद्ध में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में इराक की सेना ने इजरायल पर स्कड मिसाइलों से हमला किया था। मगर कुछ दिन पहले इजरायल ने जिस बड़े हमले का सामना किया वह चौंकाने वाला था। पिछले कुछ दशकों में इजरायल पर इतना भीषण हमला नहीं हुआ था। उसकी मिसाइल रक्षा प्रणाली ने ईरान द्वारा प्रक्षेपित 331 मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि इन मिसाइलों को नाकाम करने में इजरायल को अमेरिका और ब्रिटेन का पूरा सहयोग मिला।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि ईरान को इजरायल पर इतना बड़ा हमला करने पर विवश क्यों होना पड़ा? इस घटना से कुछ सप्ताह पहले इजरायल ने दमिश्क में ईरान के दूतावास पर हवाई हमला किया था। इस हमले में ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प (आईआरजीसी) के दो शीर्ष कमांडर मारे गए थे। यह घटना ईरान और इजरायल के बीच ताजा तनाव का तात्कालिक कारण था। ईरान ने इजरायल पर खैबर शेकन एवं एमाड बैलिस्टिक और पावेह क्रूज मिसाइलों से हमले किए थे। ईरान ने हमले में शहीद 131 और 136 ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। रूस की सेना यूक्रेन में शहीद 136 यूएवी का इस्तेमाल कर रही है। ईरान का तर्क है कि इजरायल ने उसके कूटनीतिक मिशन पर हमला कर सभी सीमाएं लांघ ली हैं। ईरान अपने कूटनीतिक मिशन को संप्रभु क्षेत्र मानता है। इजरायल पर ईरान का जवाबी हमला इस मायने में पूरी तरह जवाबी नहीं कहा जा सकता कि इजरायल ने पायलट चालित लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया था जबकि ईरान ने मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) और मिसाइलों से हमला किया था।

ईरान के पास मानव चालित हवाई मारक क्षमता

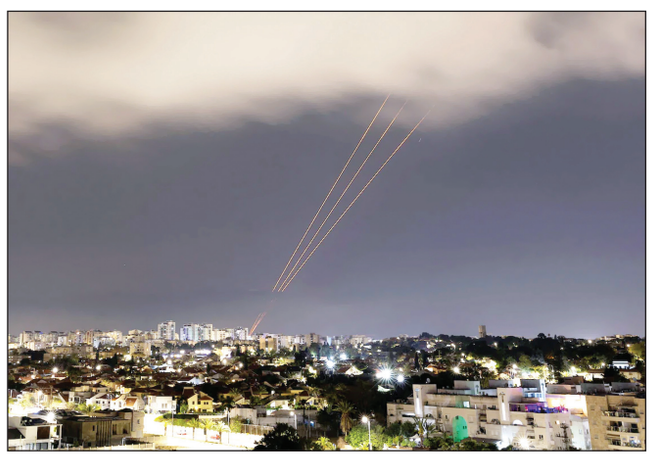

की कमी है मगर उसके पास यूएवी, बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइल जरूर हैं। इसी वजह से ईरान ने इजरायल पर इनका इस्तेमाल किया। ईरान ने जितनी बड़ी तादाद में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया वह भी इजरायल के शुरुआती हमले के बराबर नहीं ठहरता। मगर ईरान का तर्क है कि उसके दूतावास पर हमले का जो जवाब दिया वह उपयुक्त और अपेक्षित था।

ईरान का हमला बहुत सफल नहीं माना जा सकता क्योंकि उसके अधिक से अधिक पांच मिसाइल ही इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेद पाए। मगर इन बातों से इतर ईरान के नजरिये से यह पर्याप्त था क्योंकि उसने केवल मकसद से इस हमले को अंजाम दिया था। ईरान ने इजरायल को यह संदेश भेजने की कोशिश की कि उसे उसके अधिक महत्त्व एवं सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों पर हमले करने से बचना चाहिए। वास्तव में पांच बैलिस्टिक मिसाइल इजरायल का सुरक्षा चक्र भेदने में सक्षम थे और वे नेगेव क्षेत्र में नेवातिम एयरबेस तक पहुंच गए जिससे इसे मामूली नुकसान पहुंचा। इजरायल को चेतावनी देना ईरान का मुख्य मकसद था। मगर इन सब के बावजूद हम ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले की 'विफलता' से क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं? ऐसा हो सकता है कि ईरान का मिसाइल एवं ड्रोन हमला इसलिए असफल रहा कि यह एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया था। ईरान ने पहले ही कह दिया था कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा और सार्वजनिक तौर पर यह भी बता दिया कि वह किस तरह इस हमले को अंजाम दे सकता है। इस तरह, ईरान ने जान-बूझकर इजरायल और अमेरिका को पहले से सतर्क होने का मौका दे दिया।

इसका नतीजा यह हुआ कि इजरायल और उसके सहयोगी देशों- अमेरिका और ब्रिटेन- को ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमले से निपटने की तैयारी करने का पर्याप्त समय मिल गया। हमले को लेकर सभी बातें सार्वजनिक कर ईरान अपने धुर विरोधी को सुरक्षा इंतजाम करने का पर्याप्त समय दे रहा था और साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहा था कि उसे इजरायल एवं सहयोगी देशों से किसी बड़े हमले का सामना नहीं करना पड़े।

मगर तब भी जिस ताकत के साथ ईरान ने इजरायल पर मिसाइल छोड़े उसे ऐसा नहीं लगता कि यह महज रणनीतिक कदम तक सीमित रह सकता था। अगर ईरान की कुछ मिसाइलों से इजरायल में कोई बड़ा नुकसान हो जाता तो फिर तनाव अपने चरम पर पहुंच जाता।

ईरान ने जो किया उससे इतना तो साफ है कि उसने जोखिम उठाने का बड़ा साहस दिखाया है और ऐसा करने में उसने आत्मविश्वास का भी परिचय दिया है, जो पहले नहीं दिखा था। मगर तेहरान ने यह कहते हुए तनाव कम करने का इशारा भी दे दिया कि उसके हमले ने अपने उद्देश्य पूरा कर लिया है।

जो भी हो, इजरायल एवं उसकी सुरक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस) कारगर रही और उसने ईरान से प्रक्षेपित 99 प्रतिशत मिसाइलों एवं ड्रोन को ऊपर में ही नष्ट कर दिया। इजरायल की बहु-स्तरीय एयर डिफेंस सिस्टम में एरो बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) प्रणाली शामिल है जिसे उसने अमेरिका के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया है। बीएमडी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की क्षमता रखता है। इजरायल के पास डेविड्स स्लिंग प्रणाली भी है जो मध्यम दूरी की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। इसके साथ ही अमेरिका का पैट्रियट बैटरी सिस्टम भी इजरायल की सुरक्षा को धार देती है। इजरायल आयरन डोम का भी इस्तेमाल करता है जो छोटी दूरी के रॉकेट को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही खत्म कर देता है।

इजरायल के आयरन बीम सिस्टम ने भी ईरान से दागी गई मिसाइलों को नाकाम करने में भूमिका निभाई होगी। यह इजरायल के पास मौजूद अन्य प्रणालियों से थोड़ी सस्ती मानी जाती है मगर इसे लेकर विरोधाभासी खबरें आ रही हैं कि यह उपयोग में है या नहीं।

इजरायल पर ईरान के मिसाइल बरसने के बाद पश्चिम एशिया में रणनीतिक स्थिरता को लेकर जगी उम्मीदों पर फिर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। अब जो नई स्थिति पैदा हुई है वह ईरान और इजरायल के बीच टकराव के नया रूप लेने का स्पष्ट संकेत दे रहा है। ईरान और इजरायल दोनों एक दूसरे के खिलाफ साइबरस्पेस (डिजिटल वातावरण) सहित दूसरे मोर्चों पर हमले कर सकते हैं। इन दोनों देशों के कटु संबंधों का असर इस क्षेत्र के दूसरे देशों पर भी होगा। परमाणु हथियारों की होड़ शुरू होने का खतरा भी मंडराने लगा है।

आज का इतिहास

1807 फ्रांसीसी सेना ने 6 सप्ताह की घेराबंदी के बाद दानज़िग पर कब्जा कर लिया।
1810 लुडविग वन बीथोवेन ने अपने प्रसिद्ध पियानो फर एलिस का निर्माण किया।
1810 लुडविग वान बीथोवेन ने अपनी बागेटेल नं। 25 में अमीनोर की रचना की, जिसे फुर एलिस (ऑडियो फ़ीचर्ड) के नाम से जाना जाता है, जो उनकी सबसे अलौकिक रचनाओं में से एक है।
1865 एक विस्फोट ने मिसिसिपीरिवर पर स्टीमबोट सुल्ताना को नष्ट कर दिया, जिससे 2,400 यात्रियों की अनुमानित 1,800 मौत हो गई।
1870 एंटोनियो गुज़मान ब्लैंको ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के रूप में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया।
1911 विलियम पी। फ्राइ के इस्तीफे के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेट में समझौता किया गया था कि संयुक्त राज्य के सीनेट के प्रमुख प्रो टेम्पोरोर के कार्यालय को घुमाया जाए।
1941 जर्मनी की सेना ने एथेंस (यूनान) पर कब्जा किया।
1941 बोरिस किदरी और एडवर्ड कारडेलज ने मुक्ति विरोधी फ्रंट ऑफ स्लोवेनियन नेशन की स्थापना की, जो कि प्रमुख फासीवादी स्लोवेनियाई नागरिक प्रतिरोध और राजनीतिक संगठन था।
1942 अमेरिका के ओकलाहोमा प्रांत में तूफान के कारण 100 लोग मारे गये।
1961 अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने गामा किरणों के अध्ययन के लिये पृथ्वी की कक्षा में 'एक्सप्लोरर 11' लांच किया।
1961 मिल्टन मारगाई ने यूनाइटेड किंगडम से देश की स्वतंत्रता पर सिएरा लियोन के पहले प्रधान मंत्री के रूप में पदभार संभाला।
1967 मॉन्ट्रियल में एक्सपो 67 दुनिया का मेला खोला गया, जिसमें 62 राष्ट्रों के साथ 50 मिलियन से अधिक आगंतुक शामिल हुए।
1990 मिशिगन में आयोजित 50 वें वार्षिक नाई की चौकड़ी गायन सम्मेलन।
1991 फायरस्टोन वर्ल्ड बॉलिंग टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस डेविड ओजियन द्वारा जीता गया था।
1993 ताशकर्गम में अफ़गन एंटोर एएन -32 को कुचलने से 76 लोग मारे गए।
1994 राष्ट्रपति निनन को कैलिफोर्निया के निनोन लाइब्रेरी में दफनाया गया।

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाड़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं।

अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते

हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है। इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती।

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये।

सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए। उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे।

सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है। ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और उसमें भी सबसे अधिक मुस्लिमों का है, उस प्रकार से कांग्रेस की यह मुसलमानों को लुभाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की अघोषित चुनावी घोषणा है, इस तरह की घोषणाएं लोकतंत्र में सुशासन एवं राजनीति मूल्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा ही कही जायेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता बादशाह नहीं होता बल्कि साधारण मतदाता बादशाह होता है क्योंकि उसके ही एक वोट से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं। मतदाता को जो मूर्ख समझते हैं उनसे बड़ा मूर्ख दूसरा नहीं होता। ऐसे तथाकथित बयानों से भारत में संसदीय प्रणाली का लोकतंत्र कभी भी प्रभावित नहीं होगा, वह सफल रहा है और रहेगा क्योंकि भारत के लोग अनपढ़ व गरीब हो सकते हैं मगर वे अज्ञानी या मूर्ख नहीं है। उनका व्यावहारिक ज्ञान बहुत मजबूत होता है और वे राजनीतिक दलों के भ्रम में नहीं आने वाले, गुमराह नहीं होने वाले। यह सच है कि जब से भारत में जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी, वर्गवादी व सम्प्रदायवादी राजनीति का बोलबाला हुआ है तभी से राजनीति के विमर्श में गिरावट आनी शुरू हुई है, लेकिन इस गिरावट को संभालने के लिये मतदाता को अधिक परिवक्व एवं समझदार होने की अपेक्षा है।

वादों को हकीकत में बदलने का हो प्रयास

ए के भट्टाचार्य

आम चुनाव के पहले घोषित किए जाने वाले चुनाव घोषणापत्र राजनीतिक दलों की आकांक्षाओं, वादों और दृष्टि के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। यही कारण है कि जब सत्ताधारी दल अपना घोषणापत्र जारी करता है तो उस पर बहुत ध्यान दिया जाता है। तब तो और भी ज्यादा जब यह उम्मीद हो कि चुनाव के बाद उसकी सत्ता में वापसी होगी। भारतीय जनता पार्टी ने सात चरणों में हो रहे 2024 के आम चुनाव के पहले अपना घोषणापत्र जारी किया और जाहिर है उसने भी बड़े पैमाने पर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया। इस आलेख में हम भाजपा के घोषणापत्र में उल्लिखित तीन अहम आर्थिक नीति संबंधी वादों का विश्लेषण करेंगे। इसका लक्ष्य है यह समझना कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो इन वादों का आने वाले पांच वर्षों में क्या असर हो सकता है। घोषणापत्र में अर्थव्यवस्था से संबंधित बातों में निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा करीब एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों मसलन अधोसंरचना, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, विमानन सेवा और कपड़ा आदि क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है। पिछले पांच वर्षों में केंद्र और राज्य के स्तर पर सरकारों के नेतृत्व में होने वाला निवेश भाजपा के शासन की पहचान रहा है। इस रणनीति ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड के झटके से उबरने में मदद की और निवेश पर ध्यान दिए रहने की उम्मीद की जा सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि घोषणापत्र में निवेश में निजी क्षेत्र की मजबूत हिस्सेदारी की अनुपस्थिति की अनदेखी की गई है। यह चिंता का विषय है। चूंकि खपत में इजाफा नहीं हो रहा है इसलिए जरूरत इस बात की है कि निजी क्षेत्र को निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के क्रम में जरूरी कदम उठाए जाएं। यह काम अपेक्षाकृत कम कठिनाई से हो सकता है अगर जून 2024 में सत्ता में आने वाली केंद्र सरकार लंबे समय से लंबित कारक बाजार सुधारों को प्राथमिकता दे। इस संदर्भ में देखें तो भाजपा का घोषणापत्र क्षेत्र आधारित बाजार सुधारों की जरूरत को रेखांकित करने में नाकाम रहा है। विगत चार वर्षों में सरकार द्वारा पूंजी निवेश में लगातार इजाफा देखने को मिला है जो स्वागतयोग्य है लेकिन अभी भी निजी क्षेत्र की ओर से निवेश में तेजी आना शेष है। निजी निवेश बढ़ाने का एक तरीका भूमि और श्रम कानूनों को सहज बनाना और अन्य नीतिगत बदलाव लाना भी है ताकि निवेश और कारोबारी सुगमता को सहज बनाया जा सके। भाजपा का आर्थिक घोषणापत्र नीतिगत बदलाव की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। इसमें दो राय नहीं कि ई-कोर्ट को मिशन की तरह बढ़ावा देने, पुराने तथा लंबित मामलों के निस्तारण की गति को तेज करने और वैकल्पिक विवाद निस्तारण के लिए सही माहौल बनाकर न्यायिक सुधारों को गति देने से निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार अधिक किफायती स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था और शिक्षा बुनियादी ढांचा भी लंबी अवधि में मददगार साबित होगा। परंतु नई सरकार को भूमि और श्रम सुधारों को लेकर क्या करना चाहिए इसे लेकर स्पष्ट संकेत दिया जाता तो बेहतर होता। घोषणापत्र दो और सवाल उठाता है। किसानों को आय अंतरित करने की योजना पीएम किसान सम्मान निधि योजना को और मजबूत करने की बात कही गई है। यह योजना 2019 के आम चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी। ध्यान रहे कि भाजपा का 2024 का घोषणापत्र इस योजना को मजबूत करने की बात करता है लेकिन किसान परिवारों को मिलने वाली छह हजार रुपये सालाना राशि में किसी इजाफे की बात नहीं की गई है। हालांकि घोषणापत्र इनमें समय-समय पर बढ़ोतरी करने की बात कही गई है। इसके अलावा फसल बीमा योजना को मजबूत बनाने का वादा किया गया है और साथ ही फसलों में विविधता लाने की बात कही गई है। दालों और तिलहन का रकबा बढ़ाने की बात कही गई है क्योंकि इस क्षेत्र में देश निरंतर आयात पर निर्भर है। ये सभी वादे राजकोषीय जवाबदेही और कृषि के नजरियों से आश्वस्त करने वाले हैं लेकिन इस बात को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है कि इन योजनाओं को कैसे मजबूत किया जाएगा, फसलों में विविधता कैसे आएगी और दलहन-तिलहन का रकबा कैसे बढ़ाया जाएगा। इन वादों को पूरा करना आसान नहीं है। इनके क्रियान्वयन के लिए अधिक योजना बनाने की जरूरत होगी। चिंताजनक बात है कि संसद द्वारा 2020 में पारित तीनों कृषि कानूनों से दूरी बनाई गई है। इन्हें दिल्ली के आसपास किसानों के विरोध प्रदर्शन के बाद वापस लेना पड़ा था। इन कानूनों का इरादा नेक था और इनकी मदद से ऐसी व्यवस्था बनाई जानी थी जिसें किसान अपनी उपज को कृषि उपज विपणन समितियों के दायरे के बाहर बेच सकते थे, अनुबंधित कृषि की जा सकती थी और वे अपनी उपज को अनिवार्य जिंस अधिनियम के तहत स्टॉक लिमिट से बाहर कर सकते थे।

देश को संदेश देने में नाकाम रही विपक्ष की रांची रैली

अशोक मधुप

विपक्षी दलों की झारखंड की राजधानी रांची में हुई महारैली देश को कोई स्पष्ट संदेश नहीं दे सकी। हांलाकि इससे बड़ी उम्मीद थी। उम्मीद थीं कि राजनैतिक दल अपने चुनाव घोषणा पत्र अब तक प्रस्तुत कर चुके हैं। इस रैली में वे कॉमन मिनीमम कार्यक्रम जारी कर सकतें हैं किंतु ऐसा कुछ नही हुआ। हर बार की तरह सिर्फ भाषण तक ही सीमित रही रैली। झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने उलगुलान न्याय महारैली का नाम दिया गया है। इस दौरान मंच में बड़े-बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही मंच पर दो खाली कुर्सियां रखी गईं। एक जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए और दूसरी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए। उनकी जगह केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने मंच साझा किया। भारी संख्या में लोग रैली में पहुंचे

रैली के दौरान भीड़ ने जेल का ताले टूटेंगे, हेमंत सोरेन छूटेंगे और झारखंड झुकेगा नहीं जैसे नारे लगाए। झारखंड की राजधानी का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास होने के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए। चिलचिलाती गर्मी के बीच सभी रैली के समर्थन जुटे रहे। उलगुलान शब्द, जिसका अर्थ क्रांति है। इसे आदिवासियों के अधिकारों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ बिरसा मुंडा की लड़ाई के दौरान गढ़ा गया था। हेमंत सोरेन को कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसी केंद्रीय एजेंसी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को शराब नीति घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और आप सुप्रीमो के लिए कुर्सियां खाली रखी गई थीं, लेकिन उनकी पत्नियां कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल मंच पर बैठी थीं। कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल का भाषण मुख्यत: अपने पतियों की गिरफ्तारी के विरोध में था। दोनों का दावा था कि उनके पतियों को केंद्र की मोदी सरकार ने गलत ढंग से गिरफ्तार कराया हुआ है। केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज दबा देना चाहती है। इसके लिए सबको एकजुट होना होगा। रैली में नेताओं का यह भी आरोप था कि केंद्र में भाजपा फिर लौटी तो देश से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। रैली में शामिल नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार झूठ बोलने, गारंटी के नाम पर लोगों को ठगने, लोकतंत्र को कमज़ोर करने और जुमलों के सहारे राजनीति करने के आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि देश में बेरोज़गारी चरम पर है

और प्रधानमंत्री मोदी का हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा हवा में घूम रहा है।

देश में पहले चरण के मतदान के ठीक अगले दिन आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले चरण के चुनाव में बीजेपी की हवा निकल गई है। उन्होंने कहा कि वे 400 पार की बात करते हैं लेकिन 180-190 सीटों से आगे नहीं जाने वाले। इसलिए, वोट देना ज़रूरी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, पहले चरण में ही उत्तर प्रदेश में इनकी हालत ख़राब हो गई है और जब यूपी इन्हें हटा सकता है, तो आप क्यों नहीं। यह देश मोदी की नहीं, संविधान की गारंटी चाहता है। जबकि झारखंड में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इस रैली को पूरी तरह फ्लॉप करार दिया है।

बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा, इनके मंच पर भ्रष्टाचार में शामिल नेताओं का जमावड़ा हुआ और ये भ्रष्टाचार उन्मूलन की बात करते हैं. यह हास्यास्पद है। प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा, इनका दावा था कि रैली में पांच लाख लोग शामिल होंगे लेकिन आए बमुश्किल 10-15 हज़ार लोग। उनमें आपस में मारपीट हुई। ये लोग सिर्फ़ सत्ता में आने के लिए एक मंच पर आए थे। रैली में सिर्फ़ परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों की भागीदारी थी, इसलिए इसे सुपर फ़्लॉप कहा जाना चाहिए। हालांकि उलगुलान न्याय महारैली में लोगों की खासी भागीदारी देखी गई। झारखंड के सुदूर इलाक़ों से लोग बसों, गाड़ियों और ट्रेनों से रांची पहुंचे। ऐसे लोगों को लाने के विशेष इंतज़ाम किए गए थे। रैली स्थल पर लोगों की भीड़ देर शाम तक जमी रही। उलगुलान रैली में शामिल होने आई कार्यकर्ताओं की भीड़ में दो गुटों के बीच झड़प हो गयी। कुर्सियां भी तोड़ी गई। ये मारपीट, ये हुडदंग कोई अच्छा संदेश नही दे सकें। उलगुलान रैली में शिबू सोरेन, बसंत सोरेन, कल्पना सोरेन, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। रैली में शामिल नहीं हुए राहुल गांधी। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तबीयत अचानक खराब हो गई है। इस वजह से वे रैली में शामिल नहीं हुए।

सात चरणों में पूरे होने वाले लोकसभा चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया। मतदाताओं ने प्रत्याशियों निर्णय इवीएम को सौंप दिया। दूसर चरण का मतदान 26 अप्रैल को होना है। इतना सब होने पर भी विपक्षी 28 दलों का गठबंधन अब तक न कोई अपना कॉमन प्रोग्राम प्रस्तुत कर सका। न नहीं सभी दलों द्वारा सर्व सम्मत नेता ही चुना गया।

दरअसल विपक्षी दलों का यह गठबंधन, उन दलों का भी गठबंधन कहां जा सकता है, जो दल भाजपा के साथ नहीं जा सके। अवसर नहीं मिला। इस विपक्षी दलों के आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन को खड़ा करने में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बड़ा योगदान रहा। ये सब उन्ही की मेहनत से खड़ा हुआ। किंतु मौके की तलाश में बैठे नीतीश कुमार अवसर मिलते ही इस गठबंधन से किनारा करके बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया। भाजपा के साथ मिलकर अपनी सरकार बना ली। इसी तरह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी ने किया। भाजपा से बात पक्की होने तक वे सपा के अखिलेश यादव और कांग्रेस के नेताओं के साथ थे। बात पक्की होते ही उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया। 28 दलों वाले इस एलायंस में प्राय: वह ही दल हैं जिनकी अपने प्रदेश में सरकार है। प्रदेश में सरकार होने के कारण वह भाजपा से गठबधंन नही कर पा रही।

चुनाव का एक चरण बीत गया। दूसरा 26 को है। इसके बाद पांच चरण शेष हैं। लगता है कि ये भी जल्द ही हो जांएगे, विपक्ष के 28 दलों के एलाइंस इंडिया का मिनिमम कार्यक्रम तय हुआ। ये बैठकर कोई ऐसा एजेंडा भी नही बना पाए कि बहुमत में आने पर किस कार्यक्रम पर वे सरकार चलांएगे। दूसरा उनका संयुक्त प्रधानमंत्री कौन होगा? क्या कुछ प्रदेशों की तरह तीन या छह-छह माह में अब प्रधानमंत्री भी बदले जांएगे। जो भी हो विपक्षी गठबंधन इंडिया का जैसे अच्छा नाम मिली था, वैसा कुछ आगे नही हुआ। उसने निराश ही किया। देश का प्रतिनिधित्व करने वाले 28 दलों के गठबंधन से उम्मीद काफी ज्यादा थीं, किंतु वह एक पर भी खरा नही उतर सका। ये सारे दल अलग-अलग विचार और सिद्धांतों के मानने वाले हैं। ऐसे में एकजुट होने के लिए इनका कॉमन एजेंडा भी होना चाहिए। ऐसा न होने पर इनकी एकजुटता छलावा है। धोखा है। अब तो इनका उददेश्य केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना करना रह गया। आलोचनाएं भी सकारात्मक नही। नकारात्मक।

सहयोगी दलों के सहारे है कांग्रेस पार्टी

प्रभु चावला

मार्क ट्वेन ने कहा था कि आपके पास बस अज्ञान और विश्वास होना चाहिए, आपकी सफलता सुनिश्चित है। उन्हें यह पता होगा। वे मिसिसिपी के एक नाव, जिसके वे कप्तान थे, पर पेशेवर जुआरी थे और उन्होंने धनी होने की नीयत से बच्चों के लिए एक नया खेल ईजाद करने की कोशिश भी की थी। लगभग 139 साल पुरानी कांग्रेस अभी भी भाई-बहन के लिए बच्चों का खेल है, जो ऐसे विश्वास से अपनी श्रेष्ठता दावा करते हैं, जो केवल असली अज्ञानी के बूते की बात है।

पार्टी के राजनीतिक डीएनए में इस कमी ने उसकी विरासत और हैसियत को बिगाड़ दिया है, जिसका श्रेय गांधी परिवार के तीन सदस्यों को जाता है। अब पार्टी का नया दर्शन है- न्यूनतम नया अधिकतम है। उसका नया चुनावी हिसाब है कि भरोसे के साथ कम सीटों पर लड़ो और जीत की दर बेहतर करो। पहली बार लोकसभा के लिए कांग्रेस 330 से कम उम्मीदवार उतार रही है। क्या पार्टी ने यह मान लिया है कि वह अपने दम पर बहुमत नहीं हासिल कर सकती है? अभी तक कांग्रेस ने अपने सभी प्रत्याशियों की घोषणा भी नहीं की है। धीरे-धीरे सूची जारी करने की नयी रणनीति यह इंगित करती है कि पार्टी को समझ में आ गया है कि वह अब अखिल भारतीय खिलाड़ी नहीं रही। पार्टी की आंतरिक संरचना वंश, हार, दलबदल और वास्तविकता से मुंह मोड़ने के कारण बिगड़ चुकी है। इस कारण प्रतिभा का अकाल है, संगठन लकवाग्रस्त है और वैचारिक अस्थिरता है। कुछ दशक पहले तक हर सीट पर कांग्रेस में 25 से अधिक दावेदार होते थे। अब इसे 200 से अधिक क्षेत्रों में एक भी जीतने लायक उम्मीदवार नहीं

मिल पा रहा है। अजीब है कि पार्टी अपने सामाजिक और राजनीतिक नुकसान से अनजान बनी हुई है।

अपने भविष्य को लेकर पार्टी की बेपरवाही एक पहेली है। नरेंद्र मोदी के 'अच्छे दिन' को नकार कर कांग्रेस का सिकुड़ता शीर्ष अपने क्षेत्रों से लिपटकर अपने 'अच्छे दिन' की आशा कर रहा है। सहयोगियों की बैसाखी के सहारे पार्टी अपना उद्धार करना चाहती है। उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस को मजबूरन सहयोगियों को अधिक सीटें देनी पड़ी है। पार्टी ने समान विचार के दलों से गठबंधन कर अपनी मौजूदगी बनाये रखने के लेफ्ट के सूत्र को अपना लिया है। लेकिन कांग्रेस उत्तर भारत के अन्य राज्यों और कर्नाटक में सहयोगियों के लिए बहुत उदार नहीं रही है। उसका लक्ष्य जीत की दर बेहतर करना है, भले वोट शेयर में कमी आये। कांग्रेस नेतृत्व अविजित होने के भ्रम से मुक्त नहीं हुआ है। उसका दावा है कि उसने सहयोगी दलों को अधिक सीटें इसलिए दी क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर उसकी हिस्सेदारी बड़ी है। उसे यह समझना बाकी है कि उसका अस्तित्व बस नाम का है और कई राज्यों में वह अवांछित विकल्प है। कई राज्यों में उसके पास थोड़े नेता और कार्यकर्ता बचे हैं। इस चुनाव में कांग्रेस द्वारा कम सीटों पर लड़ने की संभावित वजह यही हो सकती है- न करिश्माई नेता, न नारा और न नीति। चार दशक से पार्टी में नेतृत्व पैदा करने का तंत्र कमजोर होता जा रहा है। उसके पास एक ऐसा नेता नहीं है, जो विभिन्न जातियों, आस्थाओं और सामाजिक समुदायों से बने समावेशी भारत के साथ सफलता से जुड़ सके। इंदिरा गांधी ने पार्टी को दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, उच्च जातियों एवं वर्गों के एक इंद्रधनुषी सामाजिक गठबंधन में तब्दील कर दिया था। उनके बाद राजीव, सोनिया या राहुल उसकी चमक को वापस न ला सके। राजीव ऐसे पहले गांधी थे, जो लगातार दुबारा जनादेश हासिल न कर सके। साल 1989 में कांग्रेस के 510 उम्मीदवारों में से केवल 197 लोकसभा पहुंच सके थे। कांग्रेस 1991 में भी बहुमत हासिल नहीं कर सकी। इसके 505 उम्मीदवारों में से 244 ही जीत पाये थे। पीवी नरसिम्हा राव ने समर्थन जुटाकर अल्पमत की सरकार पांच साल चलायी, जो आधुनिक भारत में पहली बार हुआ था। लेकिन 1996 में कांग्रेस को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। उसके 529 प्रत्याशियों में से केवल 140 ही जीते।

सीताराम केसरी की अध्यक्षता में 1998 में कांग्रेस को 141 सीटें ही मिलीं। सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी को अपने दिन बहुरने की आशा थी, पर 1999 में उसे 114 सीटें ही मिलीं। लेकिन सोनिया ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए बड़ा गठबंधन बनाया, जिसने वाजपेयी सरकार को परास्त कर दिया। साल 2004 में कांग्रेस ने 417 उम्मीदवार खड़े किये, जिनमें 145 जीते। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 2009 में भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। तब 440 उम्मीदवारों में से 206 को जीत हासिल हुई। उसके बाद से पार्टी ढलान पर है और अधिकतर राज्यों में इसने अपने वरिष्ठ नेताओं को खो दिया है।

ईवीएम पर अब बंद होनी चाहिए राजनीति

अवधेश कुमार

आशा की जानी चाहिए कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन या ईवीएम से संबंधित उच्चतम न्यायालय का आगामी आदेश अंतिम होगा। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान जैसी टिप्पणियां की एवं याचिकाकर्ता से तीखे प्रश्न किया उनसे अनुमान लगाया जा सकता है कि फैसला क्या होगा। पिछले महीने ही उच्चतम न्यायालय ने ईवीएम से संबंधित दो याचिकाएं खारिज की थीं। न्यायालय ने एक याचिकाकर्ता पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया था। वस्तुत: उच्चतम न्यायालय ईवीएम से संबंधित 40 याचिकाएं अभी तक खारिज कर चुका है। सामान्यत: यह बात समझ में नहीं आती कि चुनाव आयोग के साथ विश्वसनीय विशेषज्ञ द्वारा बार-बार स्पष्ट करने के बावजूद कि ईवीएम से न छेड़छाड़ हो सकती है, न ही इसे हैक किया जा सकता है, इसके द्वारा चुनाव न कराने का अभियान क्यों लगातार जारी है? उच्चतम न्यायालय में भी इस पर बहसें हो चुकी हैं, फैसले आ चुके हैं। उच्च न्यायालयों ने दो दर्जन से ज्यादा इस पर फैसले दिए हैं। सभी में न्यायालय ने चुनाव आयोग के इस दावे को स्वीकार किया है कि ईवीएम से मतदान कराया जाना सुरक्षित और विश्वसनीय है। तो फिर ऐसा क्यों हो रहा है? यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं कि ईवीएम भारतीय राजनीति की विडंबनाओं का शिकार हो चुका है। इसी ईवीएम से जब राज्यों में विपक्ष जीतता है या 2004 एवं 2009 में यूपीए की सरकार गठन में इसका योगदान होता है तो वर्तमान विरोधी प्रश्न नहीं उठाते। हालांकि भाजपा की ओर से भी एक समय ईवीएम को अविश्वसनीय बनाने की कोशिश हुई थी किंतु बाद में उसने यह अध्याय पूरी तरह बंद कर दिया। कल्पना करिए, अगर भारत सहित दुनिया भर में लोगों के एक बड़े समूह के अंदर यह बात बिठा दी जाए कि भारत में सत्तारूढ़ पार्टी और गठबंधन ईवीएम में छेड़छाड़ कर चुनाव जीतता है जबकि उसे जनता वोट नहीं देती तो हमारी क्या छवि बनेगी? भारत का संसदीय लोकतंत्र, यहां का स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव विश्व के लिए एक बड़ा उदाहरण है। विश्व भर के टिप्पणीकार, विश्लेषक, राजनेता बताते हैं कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में इतने भारी मतदाताओं का मतदान संपन्न कराकर लोकतंत्र का चक्र बनाए रखना बड़ी सफलता है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि मत पत्रों से मतदान के दौरान क्या होता था, यह हमें याद है और बताने की आवश्यकता नहीं। इसी तरह न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि समस्या मशीन में नहीं है समस्या मानवीय व्यवस्था में होती है। वास्तव में चुनाव में कदाचार, भ्रष्टाचार आदि मनुष्य के द्वारा ही किए जाते रहे हैं। आप अलग प्रकार के प्रलोभनों या भय से लोगों को मतदान देने के लिए प्रेरित या विवश करते हैं तो ईवीएम में भी वह मतदान पवित्र नहीं माना जा सकता, इसलिए मूल बात चुनाव के दौरान पार्टियों के साथ सरकारी तंत्र एवं आम मतदाताओं के नैतिक और ईमानदार व्यवहार की है।

रामनवमी पर घर की इस दिशा में लगाएं राम दरबार की तस्वीर, धन-संपदा में होगी वृद्धि

हिंदू धर्म में हर साल चैत्र माह शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को राम नवमी मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार,इस साल 17 अप्रैल 2024 को राम नवमी है। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ दिन पर प्रभु श्रीराम ने भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जन्म लिया था। इसलिए इस खास दिन पर भगवान श्रीराम की पूजा-आराधना का बड़ा महत्व है। यह नवरात्रि का आखिरी दिन होता है। इसके साथ ही चैत्र नवरात्रि का समापन हो जाता है। अगर इस बार आप भी रामनवमी के दिन राम दरबार की तस्वीर लाना चाहते हैं या घर में पहले से ही राम दरबार की फोटो या प्रतिमा है, तो वास्तु के इन बातों का जरूर ध्यान रखें। कहा जाता है कि इससे जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। आइए जानते हैं राम-दरबार से जुड़े वास्तु टिप्स...

राम दरबार की प्रतिमा: राम दरबार में भगवान राम, माता सीता, भाई भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और उनके परम भक्त हनुमान जी के साथ बैठे हुए हैं। यह तस्वीर भगवान राम के राज्य और उनके नियमों के एक दृश्य को व्यक्त करती है। इस तस्वीर को राम दरबार या राम राज्य के नाम से जाना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, नियमित राम दरबार की पूजा-अर्चना करने से सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है।

राम-दरबार की तस्वीर से जुड़े वास्तु टिप्स

वास्तु के अनुसार, राम दरबार की फोटो उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इससे घर में पॉजिटिविटी बढ़ती है और वास्तु दोषों से मुक्ति मिलती है।

रोजाना परिवार के सभी सदस्यों को राम दरबार के दर्शन करना चाहिए। मान्यता है कि इससे जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।

मान्यता है कि घर के पूर्व दिशा में राम दरबार की तस्वीर लगाने से समाज में मान-सम्मान बढ़ता है और पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

यह भी कहा जाता है कि रोजाना रामदरबार के पूजा-अर्चना करने से धन से जुड़ी दिक्कतों से छुटकारा मिलता है और साधक को कुंडली के सभी ग्रह दोषों से राहत मिलती है।

नवरात्रि में बोए जौ का ऐसा रंग देता है परेशानियों को बुलावा, पड़ता है भविष्य पर असर

सदियों से चली आ रही नवरात्रि में जौ बोने की परंपरा के पीछे बहुत ही महत्वपूर्ण कारण है। दरअसल, पौराणिक मान्यता के मुताबिक जानकारों के अनुसार हमारे धर्मग्रन्थों के मुताबिक माना जाता है जब सृष्टि की शुरूआत हुई थी तो पहली फसल जौ ही थी। इसके साथ ही इसी दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी होती है।

हिंदू धर्म में नवरात्र के समय को बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र माना गया है। चैत्र नवरात्रि के नौ दिनों में माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार चैत्र नवरात्र की शुरुआत 9 अप्रैल, मंगलवार के दिन से हो चुकी है और इसकी शुरुआत घटस्थापना से होती है। कलश स्थापना के साथ जौ भी बोएं जाते हैं। नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक मां की पूजा के साथ इनकी देखरेख भी की जाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि में बोएं गए जौं आपके आने वाले शुभ और अशुभ समय का संकेत देते हैं। जौ के रंग बताते हैं कि आपके आने वाले दिनों में खुशियां आएंगी या फिर परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। तो अगर आपने भी नवरात्रि पर जौं बोएं हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए बेहद ही खास होने वाला है।

सदियों से चली आ रही नवरात्रि में जौ बोने की परंपरा के पीछे बहुत ही महत्वपूर्ण कारण है। दरअसल, पौराणिक मान्यता के मुताबिक जानकारों के अनुसार हमारे धर्मग्रन्थों के मुताबिक माना जाता है जब सृष्टि की शुरूआत हुई थी तो पहली फसल जौ ही थी। इसके साथ ही इसी दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी होती है। यही कारण है जब भी किसी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है तो हवन में जौ का इस्तेमाल किया जाता है। कहते हैं कि जौ बोने से मां दुर्गा और मां अन्नपूर्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसलिए चैत्र नवरात्रि में जौं को जरूर बोया जाता है।

धार्मिक मान्यता के मुताबिक नवरात्रि में जौं बोने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। इसलिए नवरात्रि की शुरुआत जौं बोने से ही की जाती है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि पर जो जौ उगाई जाती है वह भविष्य से संबंधित कुछ बातों के संकेत हमें प्राप्त होते हैं-

बता दें, अगर आपका जौं 2 से 3 दिन में ही अंकुरित होकर तेजी से बढ़ने लगे और इसका रंग सफेद या हरा हो, तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। कहते हैं जिन लोगों पर माता रानी मेहरबान होती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां आने वाली होती है उनके जौ सफेद या हरे रंग के होते हैं। अगर आपके जौं का रंग आधा हरा और आधा सफेद है या फिर पहले जौ हरा उगा और बाद में सफेद हो गया तो इसका संकेत यह है कि साल की शुरुआत अच्छी जाएगी, लेकिन इसके बाद कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यानी यह साल आपके लिए मिलाजुला साबित हो सकता है।

अगर 9 दिनों में जौ न उगे या पीली पड़ जाए तो यह एक अशुभ संकेत है। इसका मतलब है कि आने वाले समय मे आपके परिवार पर कोई बड़ी समस्या आने वाली है।

हिंदू धर्म ग्रन्थों के अनुसार जौ बोने से वर्षा, फसल और व्यक्ति के भविष्य का अनुमान भी लगाया जाता है। कहते कि जौ उचित आकार और लंबाई में नहीं उगे तो उस वर्ष कम वर्ष होगी और फसल भी कम होगी। इसे भविष्य पर असर पड़ता है।

सुहागिन स्त्रियां श्रृंगार के समय इन बातों का रखें खास ख्याल, खुशियों से भर जाएगा वैवाहिक जीवन

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं द्वारा सोलह श्रृंगार किया जाता है, जोकि सुहाग की निशानी माना जाता है। वहीं इनको पहनने से महिलाओं के सुहाग पर किसी तरह की आंच नहीं आती है। लेकिन श्रृंगार करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं द्वारा सोलह श्रृंगार किया जाता है, जोकि सुहाग की निशानी माना जाता है। विवाह के बाद महिलाएं सिंदूर, मंगलसूत्र, बिछिया और पायल आदि को आवश्यक रूप से माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार,

इसको पहनने से वैवाहिक जीवन सुखमय माना जाता है। वहीं इनको पहनने से महिलाओं के सुहाग पर किसी तरह की आंच नहीं आती है। लेकिन सुहागिन महिलाओं को श्रृंगार करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। इससे महिलाओं को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सिंदूर लगाना होता है शुभ

भारतीय संस्कृति में सुहागिन महिलाओं के द्वारा सिंदूर लगाने की परंपरा चली आ रही है। मान्यता के मुताबिक महिलाएं अपनी मांग में जितना लंबा सिंदूर लगाती हैं, उनके पति की आयु उतनी ही दीर्घायु होती है। इसलिए विवाहित महिलाओं को हमेशा लंबा सिंदूर लगाना चाहिए। हमेशा सीधी मांग होनी चाहिए और मांग में टेड़ा-मेड़ा सिंदूर नहीं लगाना चाहिए।

सुहागिन महिलाओं की बिंदी

महिलाएं आजकल फैशन में रंग-बिरंगी बिंदियां लगाती हैं। लेकिन बताया जाता है कि सुहागिन महिलाओं को हमेशा लाल रंग की बिंदी लगानी चाहिए। क्योंकि विवाहिता के लिए लाल रंग शुभ माना जाता है। मान्यता के मुताबिक सुहागिन महिलाओं के लिए काली बिंदी अशुभ मानी जाती है। वहीं इनके लिए कांच की चूड़ियां सबसे ज्यादा उत्तम मानी जाती है। साथ ही यह कहा जाता है कि सुहागिन महिलाओं को काली चूड़ियां पहनने से बचना चाहिए। इसके साथ ही मंगलवार और शनिवार को चूड़ियां नहीं खरीदनी चाहिए।

ऐसे न संवारे बाल

महिलाओं को श्रृंगार करने के दौरान इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बालों में सूर्यास्त के बाद भूलकर भी कंघी नहीं लगाना चाहिए। रात में बाल नहीं संवारने चाहिए और बालों को खोलकर नहीं रखना चाहिए। क्योंकि सूर्यास्त के बाद नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव अधिक बढ़ जाता है और व्यक्ति पर अशुभ प्रभाव हावी हो सकता है। इसलिए रात के समय बालों को बांधकर और चोटी बनाकर सोना चाहिए।

जानिए कैसा होना चाहिए मंगलसूत्र

हिंदू धर्म में मंगलसूत्र सुहाग की निशानी माना जाता है। काली मोतियों का बना मंगलसूत्र सबसे उत्तम माना जाता है। यह पीले धागे में पिरोया जाना चाहिए। क्योंकि पीले रंग को देवगुरु बृहस्पति का प्रतीक माना जाता है। मान्यता के अनुसार, इससे वैवाहिक जीवन सुखमय माना जाता है। वहीं मंगलसूत्र के काले मोती वैवाहिक जीवन को नकारात्मकता से बचाने का कार्य करता है। कहा जाता है कि मंगलसूत्र को बार-बार उतारना अशुभ माना जाता है।

● अनन्या मिश्रा

राम लला के रत्नों और आभूषणों का एस्ट्रो कनेक्शन जानते हैं आप

अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा और अभिषेक तो आप सभी ने देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामलला को जो गहने पहनाए गए हैं, उनमें लगे रत्नों का अंक ज्योतिष से भी कनेक्शन है, ज्योतिषाचार्य गुरुजी अर्णव ने उनके गहनों को अंक ज्योतिष से जोड़कर उनकी गणना प्रस्तुत की है। इसमें राललला के रत्नों के महत्व पर प्रकाश डाला गया है, इसमें रत्नों की वैदिक प्रतिष्ठा पर एक विस्तृत लेख का भी उल्लेख है।

राम लला के आभूषणों में 3, 6, 9 और 12 जैसे विभिन्न शुभ अंक शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग पहलुओं को दर्शाता है। इस लेख में गहनों के जटिल विवरणों पर प्रकाश डाला गया है, जैसे कि इस्तेमाल किए गए सोने, हीरे और पन्ने का वजन। रामलला के दिव्य मुकुट का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिसमें प्रतीकवाद और अंकज्योतिष पर जोर दिया गया है।

राम लला की मूर्ति 51 इंच=1+5=6 है

राम लला के आभूषण बनाने में इस्तेमाल किया गया सोना 51 किलोग्राम है। 5+1=6

संपूर्ण आभूषण में 18,000 कैरेट के हीरे और पन्ने का मिश्रण है। 1+8=9

अब आते हैं राम लला के दिव्य मुकुट पर- यह 1.71 किलोग्राम (1+7+1=9) का है और 22 K सोने से बना है।

261 कैरेट पारखी नजर और बारीकी से चुने गए माणिक्यों के साथ ताज को एक अद्वितीय चमक मिलती है। 2+6+1=9

मुकुट भगवान सूर्य की छवि से सुशोभित है = सूर्यवंशियों के शाही वंश को दर्शाता है - सूर्य एक वर्ष में 12 दिव्य रूप लेते हैं। =12

मुकुट में ठीक 75 कैरेट के बारीक हीरे लगे हैं। 7+5=12

क्राउन में एक विशेष खदान के 174... (प्वाइंट समथिंग कैरेट) बढ़िया पानी के जाम्बियन पन्ने भी हैं। 1+7+4=12 कुल अंक

चैत्र नवरात्रि की नवमी के दिन करें हवन, जानें मुहूर्त और विधि

चैत्र नवरात्रि चल रही है, ऐसे में सभी लोग ने मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की पूजा कर रहे है और इसके साथ ही उपवास रख रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के दौरान मां आदिशक्ति की विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है। जो सच्चे मन से माता की पूजा करता है उसके सारे दुख दूर हो जाते हैं।

नवरात्रि पर्व को भारत में बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के अलग-अगल स्वरुपों की उपासना की जाती है। चैत्र नवरात्र का आरंभ 09 अप्रैल से हुआ और इसका समापन 17 अप्रैल को होगा। अष्टमी और नवमी तिथि के दिन कन्या पूजन की जाती है। इस पूजन को कंजक पूजा भी कहा जाता है। इस दौरान हवन करना काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल, नवमी तिथि 17 अप्रैल को है। इस दिन हवन करने से मनुष्य के जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और सभी परेशानियां दूर हो सकती है। चलिए आपको नवमी तिथि के दिन हवन का शुभ मुहूर्त बताते हैं।

हवन की सामग्री

नवमी तिथि 17 अप्रैल को है, इस दिन आप हवन के लिए गोला, मुलैठी की जड़, कलावा, हवन कुंड, लाल रंग का कपड़ा, अश्वगंधा, सूखी लकड़ियां, ब्राह्मी, चंदन की लकड़ी, बेल, नीम, पीपल का तना, आम की लकड़ी, छाल, गूलर, पलाश आदि। इसके अलावा काला तिल, कपूर, चावल, गाय की घी, लोभान, इलायची, जौ, शक्कर और लौंग।

हवन कैसे करें?

नवमी तिथि के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान-ध्यान करें। इसके बाद साफ वस्त्र पहनें। अब हवन कुंड बनाएं। इसके बाद घी का दीपक और धूप जलाएं। हवन कुंड पर स्वास्तिक जरुर बनाएं और फिर विधिवत रुप से मां दुर्गा के नौ रुपों की उपासना करें। इसके बाद हवन कुंड में आम की लकड़ी से अग्नि जलाएं और अग्नि में शहद समेत हवन सामग्री का विधिवत रुप से आहुति दें। फिर आप, जीवन में सुख और शांति के लिए मां दुर्गा से प्रार्थना करें

हवन के दौरान इन मंत्रो का उच्चारण करें

- ऊं आग्नेय नमः स्वाहा
-ऊं गणेशाय नमः स्वाहा
ऊं गौरियाय नमः स्वाहा
-ऊं नवग्रहाय नमः स्वाहा
-ऊं दुर्गाय नमः स्वाहा
-ऊं महाकालिकाय नमः स्वाहा
-ऊं हनुमते नमः स्वाहा
-ऊं भैरवाय नमः स्वाहा
-ऊं कुल देवताय नमः स्वाहा
-ऊं न देवताय नमः स्वाहा
-ऊं ब्रह्माय नमः स्वाहा
-ऊं विष्णुवे नमः स्वाहा
-ऊं शिवाय नमः स्वाहा
-ऊं जयंती मंगलाकाली, भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवाधात्री स्वाहा
-स्वधा नमस्तुति स्वाहा।
- ऊं ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरांतकारी भानु-शशि भूमि सुतो बुधश्चः गुरुश्च शुक्र शनि राहु केतव सर्वे ग्रहा शांति करा भवंतु स्वाहा।

हवन के दौरान इन मंत्रों के उच्चारण करें। ऐसा करने से व्यक्ति को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हवन करते समय मंत्रों के उच्चारण करना बेहद शुभ फलदायी होता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

[भविष्यफल]

मेष
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

वृष
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार अपने घर के साथ करेंगे।

मिथुन
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप किसी अपने के साथ बहस करने से बचे, जिससे आपका समय बचेगा।

कर्क
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे उस काम की शुरुआत आज से कर सकते हैं।

सिंह
आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे।

कन्या
आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं।

तुला
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें।

वृश्चिक
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं।

धनु
आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी।

मकर
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी।

मीन
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी काम के लिए की गई आपकी मेहनत रंग लायेगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपीएटी से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से डाले गए वोटों का वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों से पूरा सत्यापन कराने की मांग वाली सभी याचिकाएं शुक्रवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने चुनावों में मतपत्रों पर वापस जाने की मांग को भी खारिज कर दिया। जस्टिस खन्ना ने सुनवाई में कहा हमने दोबारा मतपत्र लाने से संबंधित सभी दलीलों को खारिज कर दिया। रिट याचिकाएं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), अभय भाकचंद छाजेड़ और अरुण कुमार अग्रवाल द्वारा दायर की गई थीं। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि उसने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दो निर्देश दिये हैं। इसमें कहा गया है, एक निर्देश यह है कि सिंबल लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद, सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) को सील कर दिया जाना चाहिए। एसएलयू को कम से कम 45 दिनों की अवधि के लिए संग्रहीत किया जाना चाहिए।

पूरी नहीं होने देंगे कांग्रेस की मंशा : अमित शाह

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश के अर्थतंत्र को तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मोदी ने इस देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया है। हमारे मध्य प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को ध्यान से पढ़िए। उन्होंने कहा है कि हम पर्सनल लॉ को फिर से लागू करेंगे। ये (कांग्रेस) मुस्लिम पर्सनल लॉ लाना चाहते हैं। आप ये बताइए, क्या ये देश शरिया से चल सकता है? राहुल बाबा, आपको तुष्टिकरण के लिए जो करना है, वो करो। लेकिन जब तक भाजपा है, हम पर्सनल लॉ नहीं लाने देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने इस देश के विकास में सबसे पहली प्राथमिकता एससी, एसटी और ओबीसी को दी है। लेकिन, कांग्रेस कहती है कि इस देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार मुसलमानों का है। कांग्रेस की मंशा हम पूरी नहीं होने देंगे।

वापसी के बाद नीतीश के लिए असली परीक्षा है लोस चुनाव

पटना। शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान में राज्य की सीमांचल स्थित पांच प्रमुख सीटों पर एनडीए के घटक दल सत्तारूढ़ जदयू और बिहार में महागठबंधन के प्रमुख विपक्षी दल राजद की प्रतिष्ठा दांव पर है। पांच सीटों- पूर्णिया, किशनगंज, भागलपुर, बांका और कटिहार के लिए 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेडीयू ने राजद और कांग्रेस के खिलाफ एनडीए समर्थित उम्मीदवार उतारे हैं। इन पांटों सीटों पर जदयू के ही उम्मीदवार हैं। नीतीश के फिर से एनडीए में जाने के बाद एक बार फिर से यह चुनाव लिटमस टेस्ट है। जदयू के एक बड़े नेता ने कहा कि इन सीटों पर महंगाई, बेरोजगारी और विकास जैसे मुद्दों पर एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हमें उम्मीद है कि हम ये सभी सीटें जीतेंगे। पूर्णिया, किशनगंज और भागलपुर लोकसभा सीटें उन पांच सीटों में प्रमुख हैं, जिन पर दोनों गठबंधनों ने जोरदार प्रचार किया है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने डीके शिवकुमार को अंतरिम राहत दी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अंतरिम राहत दी है। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित अधिकारियों को अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया। मामला 19 अप्रैल को भारतीय चुनाव आयोग में भाजपा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने मतदाताओं को ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। भाजपा ने दावा किया कि राजराजेश्वरी नगर में एक चुनावी भाषण के दौरान, अपने भाई और लोकसभा उम्मीदवार डीके सुरेश के लिए प्रचार करते हुए, शिवकुमार ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने के बदले में कावेरी जल आपूर्ति और अधिभोग प्रमाणपत्र देने का वादा किया था।

विरासत कर को लेकर सैम पित्रोदा पर बरसीं वित्तमंत्री

नईदिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विरासत कर जैसे कानून की वकालत करने वाले नेता सैम पित्रोदा की विवादास्पद टिप्पणी पर शुक्रवार को कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि यह पिछले 10 वर्षों में भारत की प्रगति को अक्षम कर सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि अगर ऐसा किया गया तो देश उस दौर में चला जाएगा जब कांग्रेस ने 90 फीसदी टैक्स लगाया था। उन्होंने कहा कि विरासत कर की मार सीधे मध्यम वर्ग पर पड़ती है। इसका सीधा असर आकांक्षी वर्ग पर पड़ता है। वे कड़ी मेहनत करते हैं, अपना पसीना और मेहनत यहां-वहां छोटी-छोटी बचत में बचाते हैं, या वे एक घर, एक सपनों का घर खरीदते हैं, और कुछ सावधि जमा रखते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि यह सब तथाकथित संपत्ति कर की भेंट चढ़ने जा रहा है...आखिरकार, संपत्ति कर के मामले में कांग्रेस की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले प्रधानमंत्री- ईवीएम को बदनाम रहा विपक्ष

बैलेट पेपर लूटने वालों का सपना चकनाचूर हुआ : मोदी

पटना। बिहार के अररिया में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अररिया और सुपौल का ये स्नेह मेरे लिए बहुत बड़ी ऊर्जा है, बहुत बड़ी शक्ति है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके इस कर्ज को उतारने के लिए मैं और ज्यादा मेहनत करूंगा और तीसरे कार्यकाल में आपके हित में, देश के हित में और ज्यादा बड़े फैसले देश लेने वाला है।

मोदी ने कहा कि 2024 का ये चुनाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बनाने के लिए है। इसमें, बिहार के आप सभी जागरूक भाई-बहनों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि गुलामी के लंबे कालखंड से पहले जब बिहार समृद्ध था, तब भारत एक महाशक्ति था। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए चल पड़ा है, तो बिहार की भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के इंडी गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वो लोग हैं, जिन्होंने दशकों तक बैलेट पेपर के बहाने लोगों का, गरीबों का अधिकार छीना। पोलिंग बूथ लूट लिए जाते थे, बैलेट पेपर लूट लिए जाते थे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर मोदी ने कहा कि अब जब गरीबों को, देश के ईमानदार मतदाता को ईवीएम की ताकत मिली है, तो ये जो चुनाव के दिन लूट चलाते थे, वोट हड़पने के खेल खेलते थे, अभी भी वो परेशान है। इसलिए उनका दिनरात यही काम रहता है कि कैसे भी करके ईवीएम हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के हर नेता ने ईवीएम को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा करने का पाप किया है। लेकिन आज देश के लोकतंत्र और बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की ताकत देखिए, आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने का इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए हैं।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आज सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कह दिया है कि बैलेट पेपर वाला पुराना दौर वापस लौटकर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की, भारत की चुनाव प्रक्रिया की, चुनाव में टेक्नोलॉजी के उपयोग की वाहवाही करती है, तब ये लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए ईवीएम को बदनाम

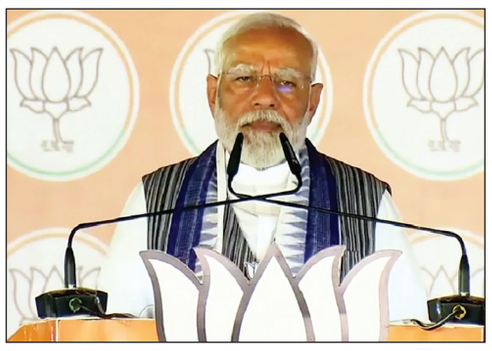

करने पर लगे पड़े थे। इन्होंने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि आज देश में राजनीति की दो मुख्य धाराएं बन गई हैं। एक धारा भाजपा और एनडीए की है, जिसका मकसद है देश के लोगों को सशक्त करना, हर लाभार्थी के दरवाजे तक खुद जाकर उसे लाभ पहुंचाना। इसके विपरीत एक और धारा है- कांग्रेस और आरजेडी की। इंडी गठबंधन वालों का मकसद है, देश के लोगों से छीनना, उन्हें तरसा कर रखना और अपनी तिजोरी भरना।

मोदी ने कहा कि बहनों-बेटियों के जीवन को आसान बनाना एनडीए की प्राथमिकता है। बहनों को उनकी सुविधा के लिए नल से जल मिला है, शौचालय मिला है, मुफ्त बिजली कनेक्शन मिले हैं। एनडीए सरकार की मुफ्त राशन की योजना ने हमारी माताओं-बहनों-बेटियों की बहुत बड़ी चिंता समाप्त कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी आपका हक छीनने की प्रवृत्ति से बाज नहीं आ रहे हैं। अब कांग्रेस ने दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण का हक छीनने की बहुत गहरी साजिश रची है। देश के संविधान ने साफ-साफ कहा है कि भारत में धर्म आधारित आरक्षण नहीं हो सकता। लेकिन, कांग्रेस पूरे देश में धर्म आधारित आरक्षण के लिए जोर लगा रही है। कांग्रेस चाहती है कि उसका कर्नाटक का आरक्षण मॉडल पूरे देश में लागू हो।

एसटी-एससी और ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहती है कांग्रेस : जेपी नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव घोषणापत्र को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी का छिपा हुआ एजेंडा पिछड़े वर्गों और गरीबों के अधिकारों को छीनना और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए मुसलमानों को देना है। नड्डा ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और इंडियी गठबंधन का छिपा हुआ एजेंडा एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकारों को छीनना और मुसलमानों को देना है। कांग्रेस का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है। नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी से नफरत करती है और उनके घोषणापत्र में भी स्पष्टता दिखाई दे रही है। उन्होंने एक विशिष्ट समुदाय के प्रति उनके झुकाव के लिए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने वो बयान ग़लती से नहीं दिया था। उन्होंने जानबूझकर ऐसा किया क्योंकि अप्रैल 2009 में एक सवाल का जवाब देते हुए- मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान- वह अपने बयान पर कायम रहे और कहा कि अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और देश के संसाधनों पर पहला अधिकार उनका होना चाहिए। पार्टी ने पूर्व पीएम की एक वीडियो क्लिप भी साझा की। भाजपा सुप्रीमो ने आगे दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने मुसलमानों को एससी और एसटी से भी बदतर स्थिति में दिखाने के लिए सच्चर समिति की रिपोर्ट के माध्यम से झूठे बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के जरिए गलत बयानबाजी की गई और कहा गया कि मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर है। इसका मतलब है कि कांग्रेस पहले से ही मुसलमानों को एससी घोषित करने और उन्हें एससी आरक्षण की सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक आधार तैयार कर रही थी, कांग्रेस को एससी, एसटी और ओबीसी से नफरत है क्योंकि देश में अधिकांश आबादी उनमें शामिल है और यह कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र है।

ध्रुवीकरण का एजेंडा चला रहे प्रधानमंत्री मोदी

भाजपा आरक्षण के खिलाफ, बदलना चाहते हैं संविधान : जयराम रमेश

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को को देना चाहती है। इसी को लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह पीएम नरेंद्र मोदी का ध्रुवीकरण का एजेंडा है। हमने हमेशा कहा है कि हम समाज के कमजोर वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश में तेजी से आर्थिक विकास हो और इसका लाभ हर किसी तक पहुंचे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लाभार्थी देश के महज 20-21 अरबपति हों और इसकी कीमत करोड़ों लोगों को चुकानी पड़े।

अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता ने दावा किया कि हकीकत उनके 400 पार के नारे के पीछे यह है कि वे संविधान बदलना चाहते हैं... वे आरक्षण के खिलाफ हैं। वे इस संविधान को हटाना चाहते हैं और आरएसएस हमेशा से आरक्षण के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन अब तक नहीं हो पाई है, क्योंकि जनगणना से एससी और एसटी की आबादी का पता चल जाता। हमारा संविधान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करता है। हमारा कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हमारे घोषणापत्र में हमारा एजेंडा स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव घोषणापत्र को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी का छिपा हुआ एजेंडा पिछड़े वर्गों और गरीबों के अधिकारों को छीनना और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए मुसलमानों को देना है। नड्डा ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और इंडियी गठबंधन का छिपा हुआ एजेंडा एससी, एसटी, ओबीसी के

अधिकारों को छीनना और मुसलमानों को देना है। कांग्रेस का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है।

संविधान बचाने, समावेशी विकास के लिए करें मतदान : कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को जारी मतदान के बीच मतदाताओं से अपील की कि वे संविधान बचाने और समावेशी विकास के लिए अपने वोट का इस्तेमाल करें। राहुल गांधी ने लोगों से अपील की कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने घरों से ''संविधान के सिपाही'' बनकर बाहर निकलें। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'हम, भारत के लोग'- भारत के संविधान की यह आत्मा मतदान के लिए बटन दबाने से पहले आपके दिल और दिमाग में गूंजनी चाहिए। यह मत भूलिए कि यह कोई सामान्य चुनाव नहीं है। यह लोकतंत्र को तानाशाही के चंगुल से बचाने का चुनाव है। उन्होंने मतदाताओं से कहा, किसी भी ध्यान भटकाने वाली रणनीति और झूठ से प्रभावित न हों।

खेल
प्रमुख समाचार

लखनऊ और राजस्थान रॉयल्स का भिड़ंत आज

नईदिल्ली। फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के मैच में शनिवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका फोकस जीत की लय कायम रखने पर होगा जबकि लखनऊ की नजरें पिछली हार का बदला चुकता करने पर लगी होंगी।

पूर्व चैम्पियन रॉयल्स ने इस सत्र में आठ मैचों में से सात में जीत दर्ज की है और उसे हराना लखनऊ के लिये टेढी खीर होगा। दूसरी ओर लखनऊ आठ मैचों में पांच जीत के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ एकमात्र हार के अलावा रॉयल्स ने इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं।

रियान पराग उसकी बल्लेबाजी की रीढ साबित हुए हैं जो आठ मैचों में 318 रन बना चुके हैं। यशस्वी जायसवाल के फॉर्म में लौटने से रॉयल्स की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिये 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल ने 60 गेंद में नाबाद 104 रन बनाये थे जिसकी बदौलत टीम ने नौ विकेट से जीत दर्ज की। जायसवाल और जोस बटलर मिलकर शीर्षक्रम पर किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं।

दूसरी ओर लखनऊ इस सत्र में रॉयल्स से 20 रन से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी। लगातार दो जीत के बाद केएल राहुल की कप्तानी वाली टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है और इस मैच में जीतकर प्लेआफ का उसका दावा पुख्ता हो सकता है। राहुल और उनके सलामी जोड़ीदार क्विंटोन डिकॉक फॉर्म में है जिससे लखनऊ की बल्लेबाजी दमदार लग रही है। मध्यक्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन हालांकि चिंता का विषय है। मार्कस स्टोइनिस ने हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में नाबाद शतक लगाकर इस समस्या का भी हल निकाल दिया लगता है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में लगा ब्रेक सेंसेक्स 609 अंक टूटा

नईदिल्ली। आज के कारोबार में सेंसेक्स 609 अंक कमजोर हुआ। वहीं निफ्टी में 150 अंक की गिरावट दर्ज की गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, रुपये में गिरावट और लगातार विदेशी फंड की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.28 अंक यानी 0.82 फीसदी की गिरावट के साथ 73,730.16 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,616.65 और 74,515.91 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 150.40 अंक यानी 0.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,419.95 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,385.55 और 22,620.40 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारत की जीडीपी वृद्धि 6.6% रहने का अनुमान : डेलॉयट

नईदिल्ली। डेलॉयट इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे। डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है। डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है। जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था। डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

टेक महिंद्रा के विजन 2027 से निवेशकों में उत्साह

नईदिल्ली। चौथी तिमाही के कमजोर नतीजों के बावजूद, मार्केट कैपिटल के हिसाब से भारत की पांचवीं सबसे बड़ी आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर में आज 10 फीसदी की तेजी के साथ अपर सर्किट लगा। इंट्रा-डे ट्रेड में बीएसई पर कंपनी का शेयर 1,309.30 रुपये के भाव पर पहुंच गया। शेयरों में तेजी की वजह टेक महिंद्रा का 'विजन 2027' है। 25 अप्रैल को चौथी तिमाही रिजल्ट के साथ कंपनी के सीईओ और एमडी मोहित जोशी ने आईटी सर्विस प्रमुख के धीमे कारोबार को रफ्तार देने के लिए तीन साल का रोडमैप 'विजन 2027' पेश किया। जिसका उद्देश्य अपने प्रतिद्वंदियों से बेहतर राजस्व वृद्धि और वित्त वर्ष 27 तक मार्जिन सुधार को अनुकूलित करना है। टेक महिंद्रा के इस प्लान से निवेशक भी उत्साहित है। हालांकि, ब्रोकरेज फर्मों ने निकट अवधि की चुनौतियों का हवाला देते हुए शेयर पर सतर्क दृष्टिकोण बनाए रखा है।

इंडिगो ने दिया 30 ए 350-900 वाले विमानों का ऑर्डर

नईदिल्ली। प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस को आज चौड़ी बॉडी वाले 30ए 350-900 विमानों का ऑर्डर दिया। यह ऑर्डर 4 से 5 अरब डॉलर का हो सकता है। देश में विमान यात्रा की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए देसी विमानन कंपनियां पिछले साल से अब तक विमान खरीदने के लिए 4 बड़े ऑर्डर दे चुकी हैं। टाटा के एयर इंडिया समूह ने फरवरी 2023 में 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिए थे। उसने एयरबस को 250 विमान और अमेरिकी कंपनी बोइंग को 220 विमान का ऑर्डर दिया था। इंडिगो ने जून 2023 में एयरबस को 500 ए320नियो विमानों का ऑर्डर दिया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था। नई विमानन कंपनी अकासा एयर ने जनवरी 2024 में बोइंग को 150 बी737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था।

विश्व शतरंज में भारत की बढ़ती धमक

मनोज चतुर्वेदी

विश्व शतरंज में आजकल सबसे चर्चित नाम डी गुकेश का है और वह अपना सपना साकार करने से मात्र एक जीत दूर हैं। वह सबसे कम उम्र (17 साल) में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने में सफल हो गये हैं। इस गौरव को पाने वाले आनंद के बाद वह दूसरे भारतीय हैं। गुकेश ने रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव के रिकॉर्ड को तोड़ा है, जिन्होंने 40 वर्ष पूर्व सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि प्राप्त की थी। कास्परोव ने 1984 में 22 वर्ष की उम्र में यह खिताब जीतकर रिकॉर्ड बनाया था।

गुकेश के साथ उनके शुरुआती दौर से कोच के तौर पर जुड़े रहे विष्णु प्रसन्ना बताते हैं कि वह जब 2017 में 11 वर्ष की उम्र में आये थे, तब उच्चस्तरीय शतरंज के गुर सीख रहे थे। पर उस समय भी उनके दिमाग में एक बात साफ थी कि उन्हें सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनना है। वह अपने इस सपने को पूरा करने के कगार पर पहुंच गये हैं। उन्हें वर्ष के आखिर में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से मुकाबला करना है। इसे जीत कर ही वह अपना सपना साकार कर सकते हैं।

कई बार झटके लोगों को उबारने में सहायक होते हैं। टोरंटो में इस टूर्नामेंट के दौरान सातवें राउंड में अलिरेजा के हाथों बाजी हारने ने ही उन्हें खिताब जीतने के लिए मजबूत बनाया। उनकी मां पद्मा बताती हैं कि इस बाजी के हारने के बाद गुकेश थोड़ा हताश था। पर मुझसे 10-15 मिनट बात करने के बाद फिर से सारा ध्यान शतरंज पर केंद्रित करने में सफल हो गया। वह कहती हैं कि मैंने उससे कहा कि खेल अभी खत्म नहीं हुआ है और अभी सात राउंड बाकी है, उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करो। गुकेश अपने प्रदर्शन से पांच बार विश्व चैंपियन रहे

कार्लसन को गलत साबित करने में सफल रहे। भारत को आनंद के बाद दूसरा चैलेंजर निकालने में 30 वर्ष का समय लगा है।

गुकेश की सफलता देश में शतरंज के बदले माहौल का प्रतीक है। मुझे याद है कि भारत ने 2020 में रूस के साथ संयुक्त रूप से शतरंज ओलंपियाड का गोल्ड जीता था। पर इस सफलता पर देश में फीकी प्रतिक्रिया मिली थी, तब आनंद ने कहा था कि 1983 में भारत के आईसीसी विश्व कप जीतने पर जिस तरह की दीवानगी देश में बनी थी, उस तरह की दीवानगी बने बिना विश्व चैंपियन निकलना मुश्किल है। देश में शतरंज में क्रिकेट जैसी दीवानगी भले ही नहीं बनी है, पर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में गुकेश सहित तीन खिलाड़ियों का भाग लेना भारतीय दबदबा को जताता जरूर है। भारत के इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं है।

यह भी कि देश में शतरंज जमाने से खेली जा रही है, पर इसे सही दिशा आनंद के 1988 में ग्रैंडमास्टर बनने के बाद ही मिली। यह वह दौर था, जब ग्रैंडमास्टर बनना बेहद कठिन था। यही वजह है कि अगले 10 से 12 वर्षों में हम केवल पांच और ग्रैंडमास्टर ही निकाल सके। पर 2000 के बाद ग्रैंडमास्टर बनने की गति में तेजी आयी और इसके साथ ही ग्रैंडमास्टर बनने की राह भी आसान होती चली गयी। वास्तव में, ग्रैंडमास्टर नॉर्म पाने के लिए टूर्नामेंट ग्रैंडमास्टर्स का खेलना जरूरी होता है। पर देश में ग्रैंडमास्टर्स की संख्या बढ़ने पर घरेलू टूर्नामेंटों की रेटिंग बेहतर होने से घर में ही ग्रैंडमास्टर निकलने लगे। पहले जीएम नॉर्म पाने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को विदेश जाना पड़ता था, जो बहुत खर्चीला था। इसलिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर्थिक तंगी के कारण खिलने से पहले ही मुरझा जाते थे। परंतु अब सही मायनों में देश में शतरंज क्रांति हो गयी है और पिछले चार वर्षों में देश को करीब 25 ग्रैंडमास्टर मिले हैं और यह संख्या अब 84 पहुंच गयी है। गुकेश के कैंडिडेट्स खिताब जीतने पर गैरी कास्परोव ने कहा कि टोरंटो में भारतीय भूचाल शतरंज की दुनिया में बदलाव का संकेत है। उन्होंने इसमें आनंद के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आनंद के बच्चे छाये हुए हैं। पर सही मायनों में गुकेश के विश्व चैंपियन बनने पर ही भारतीय शतरंज को नयी दिशा मिल सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम पर फैसला सुना दिया है अब कांग्रेस के पास हार के लिए कोई बहाना नहीं बचा है-साव

प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है - अरुण साव

रायपुर। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम पर फैसला सुना दिया है अब कांग्रेस के पास हार के लिए कोई बहाना नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि आज तक एंटी इंकमबेंसी जनता ने सुनी थी, प्रो. इंकमबेंसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल की उपलब्धि है। आज के मतदान से स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ में शून्य पर आऊट होने वाली है और देश में कांग्रेस पार्टी विपक्ष बनने लायक भी नहीं बची है।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के पूर्ण हुए मतदान के बाद भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा है कि बस्तर के बाद अब काँकेर, राजनांदगाँव और महासमुंद लोकसभा की जनता-जनार्दन ने पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में भारी संख्या में स्वस्फूर्त मतदान किया है। श्री साव ने कहा कि शुक्रवार को मतदान के दूसरे चरण में मतदान का प्रतिशत भाजपा के लिए काफी उत्साहजनक हैं और भाजपा का यह विश्वास फलीभूत होने जा रहा है कि प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है।

श्री साव ने छत्तीसगढ़ के तीन लोकसभा क्षेत्रों कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद में शुक्रवार को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान दल, सुरक्षा बलों के जवान, राजनैतिक कार्यकर्ताओं को साधुवाद देते हुए आभार जताया। तीनों लोकसभा क्षेत्रों में भारी मतदान न केवल मतदाताओं का लोकतंत्र के उत्सव के प्रति उत्साह को दर्शाता है बल्कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार के सुशासन और मोदी की गारंटी के प्रति जनता का भरोसा भी इससे स्पष्ट हो गया है भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौसम की प्रतिकूलता और नक्सल हिंसा की परवाह किए बगैर अथक परिश्रम किया। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को भी श्री साव ने बधाई दी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि पहले और दूसरे चरण के रूझान से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में मतदान के तीसरे और अंतिम चरण में कार्यकर्ता और अधिक उत्साह के साथ भाजपा के पक्ष में अभूतपूर्व जनसमर्थन जुटाएंगे और दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा, जांजगीर-चाँपा और कोरबा में भी भाजपा की ऐतिहासिक जीत की पटकथा लिखेंगे और छत्तीसगढ़ की सभी सीटों पर भाजपा प्रचंड मतों से विजयी होगी। नक्सलवाद के दंश से लहूलुहान बस्तर संभाग के काँकेर संसदीय क्षेत्र के साथ ही राजनांदगाँव संसदीय क्षेत्र की जनता ने एक ओर जहाँ अब छत्तीसगढ़ को कांग्रेसमुक्त राज्य बनाने के अभियान को आगे बढ़ाया है। श्री साव ने कहा कि राजनांदगाँव में कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लेकर इस संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में ही काफी आक्रोश है, वहीं अपने शासनकाल में भूपेश सरकार के भ्रष्ट कारनामों ने जनाक्रोश बढ़ाने का काम किया है। प्रदेश के गृह मंत्री और महासमुंद जिले के प्रभारी मंत्री रहे महासमुंद संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी की कार्यप्रणाली से न केवल कांग्रेस कार्यकर्ता, अपितु साहू समाज में भी काफी आक्रोश साफ नजर आया है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मतदान के दूसरे चरण के बाद शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि काँकेर, राजनांदगाँव और महासमुंद लोकसभा सीटों में भारी संख्या में मतदाताओं ने मतदान कर यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पूरा छत्तीसगढ़ अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत - विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ कदमताल करने का ख्वाहिशमंद है। छत्तीसगढ़ की जनता एक ओर नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्ति चाहती है, वहीं दूसरी तरफ वह सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए भाजपा की सरकार चाहती है। श्री साव ने कहा कि कांग्रेस के प्रति व्याप्त आक्रोश पहले व दूसरे चरण के मतदान में व्यक्त होकर कांग्रेस की चूलें हिलाने वाला साबित होगा। प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार के नाकारापन से रुष्ट जनमानस का स्पष्ट रुझान भाजपा के पक्ष में नजर आ रहा है। शुक्रवार को तीनों लोकसभा सीटों की जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान करके यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के झूठ को बर्दाश्त नहीं करने वाली है और इसलिए बस्तर के रास्ते पूरे प्रदेश में कांग्रेसमुक्त अभियान शुरू हुआ है। भाजपा के प्रति यही विश्वास और उत्साह पूरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है और भाजपा का कमल प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर खिलेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है।

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी भाजपा के पक्ष में भारी मतदान हुआ है। मतदाताओं और कार्यकर्ताओं में मोदी सरकार को लेकर फिर एक बार केन्द्र में सत्ता में लाने के लिए अभूतपूर्व उत्साह देखा गया है और हमें विश्वास है कि भाजपा इन तीनों सीटों पर भारी बहुमत से विजयी होने जा रही है। केन्द्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जनता की सहूलियतों एवं उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। मोदी सरकार की योजनाओं का विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। यही कारण है कि हमारी माताओं बहनों ने मोदी जी को फिर एक बार सत्ता सौंपने के लिए बढ़चढ़ कर मतदान में भाग लिया है। श्री साव ने कहा कि प्रदेश एवं देश में डबल इंजन की भाजपा सरकार के कारण हुए अभूतपूर्व विकास को जनता ने 'कमल छाप' पर बटन दबाकर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। प्रदेश की सभी 11 सीटों पर भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। इसके साथ ही देश में भाजपा अबकी बार 400 पार के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, और कांग्रेस नीत विपक्ष अपने बुने मकड़जाल में उलझकर रह गया है। दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आ रहे मतदान प्रतिशत के आधार पर भाजपा की शानदार व ऐतिहासिक विजय का दावा करते हुए उत्साहित भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार की शाम एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की और परस्पर बधाइयों का आदान-प्रदान किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प दुहराते हुए कहा कि इस बार भाजपा 400 पार का लक्ष्य अर्जित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनना तय है। इस दौरान प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता, उमेश घोरमोड़े, जिला महामंत्री सत्यम दुवा मौजूद थे।

भूपेश सरकार ने पीएससी में संजाई थी मंडी और अब सीबीआई जांच से मिलेगा युवाओं को न्याय

कांग्रेस का नारा है भ्रष्टाचार बचाओ तो मोदी जी गारंटी है भ्रष्टाचार मिटाओ- ओपी चौधरी

बेरोजगार युवाओं के हक छिनने वाली कांग्रेस को जनता इस लोकसभा चुनाव में सीखाएगी सबक-ओपी

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा 2021 में हुई अनियमितता की जांच के लिए केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। बता दें कि पीएससी परीक्षा 2021 में हुई अनियमितता को लेकर राज्य के युवाओं में बेहद आक्रोश था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य के युवाओं के आक्रोश को देखते हुए इस मामले की जांच कराने और दोषी लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की गारंटी दी थी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नवगठित सरकार ने भी पीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ी और युवाओं की शिकायत के मद्देनजर 3 जनवरी 2024 कैबिनेट बैठक में इस मामले की सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया था। राज्य सरकार की सहमति मिलने के बाद केन्द्र सरकार ने जांच के लिए अधिसूचना जारी कर यह मामला अब सीबीआई के सुपुर्द कर दिया है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार के समय छत्तीसगढ़ के युवा और भाई बहनों की जो नौकरियां पीएससी में निकलती थी, उसके लिए कांग्रेसियों ने मंडी सजाई थी। भारतीय जनता पार्टी ने पीएससी भर्ती परीक्षा में धोखा खाने वाले युवाओं को न्याय दिलाने के लिए सदन से लेकर सड़कों तक लड़ाई लड़ी थी। केंद्र की मोदी सरकार ने कल सीबीआई जांच के लिए दूध का दूध पानी का पानी होगा। युवा भाई बहनों के साथ न्याय होगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कांग्रेस की सरकार चाहे केंद्र में रहे या प्रदेश में इनकी जहां भी सरकारें रहती हैं वहां भ्रष्टाचार होना तो निश्चित है। यूपीए की कांग्रेस सरकार ने जैसे 10 सालों में भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए थे। ठीक उसी तरह भूपेश बघेल की सरकार ने भी यहां छत्तीसगढ़ में पीएससी भर्ती परीक्षा में घोटाला करने से नहीं चूके। युवाओं के हक को छीन कर अपने चहेते और सगे संबंधियों में पद बेच डाले गए। कांग्रेस की आंखों में थोड़ी भी शर्म नाम की चीज नहीं बची है। युवाओं के हक पर डाका डालने वाली सरकार को जनता करारा जवाब देगी। इसके लिए सभी मोदी जी की गारंटी पर विश्वास करते हुए जनता इनके सभी लोकसभा प्रत्याशियों की जमानत जब्त कर देगी।

इसी वजह से आज राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के दल मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कांग्रेस की नियम में ही बड़ा खोट जैसे भूपेश सरकार में ठीक आज भी इनके राहुल गांधी की नेक नियत ठीक नहीं हैं। सिर्फ सत्ता पाने के लिए कांग्रेस अपने झूठे न्याय पत्र का सहारा ले रही है, जिसे जनता नाकार चुकी है। लोगों को मोदी की गारंटी पर इसलिए विश्वास है कि क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा, सो किया जिसे पूरे देश ने देखा।

भाजपा के अन्याय पर राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा भारी पड़ने वाली है-अलका लांबा

रायपुर। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा छत्तीसगढ़ के 3 दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंची महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने रायपुर के कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया। अलका लांबा ने कहा, कहीं भी भाजपा की लहर नहीं है, 400 पार का दावा झूठ साबित होगा। दस साल भाजपा के अन्याय पर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा भारी पड़ने वाली है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा लोकसभा का दौरा है। लगभग 22 राज्यों में दौरा हुआ है।दक्षिण केरला में आज 20 की 20 सीटों पर वोट हो रहा है। गोवा, असम और गुवाहाटी की चुनाव के लिए प्रचार जारी है। कहीं भी भाजपा की लहर नहीं है। 400 पार का नारा और दावा झूठ साबित होगा।उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लोगों का समर्थन कांग्रेस को मिल रहा है। भाजपा के जुमला पत्र के सामने कांग्रेस के न्याय पत्र को समर्थन मिला है। भाजपा मुस्लिम लीग और विरासत टैक्स जैसे मुद्दे उठा रही है। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहीं भी इन बातों का जिक्र नहीं है।

अलका लांबा ने कहा कि 10 साल अन्याय और तानाशाही का काल रहा। बंद कमरे में भाजपा ने घोषणा पत्र बनाया। कांग्रेस की घोषणा पत्र 10हजार किलोमीटर की यात्रा से निकला है।. महिला, किसान, युवा, मजदूर सबकी सुनकर घोषणा पत्र तैयार किया गया है।.राजस्थान में बीजेपी को भारी नुकसान हो रहा है।. कांग्रेस 5 न्याय, 25 गारंटी पर चुनाव लड़ रही है।उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस मजबूती के साथ मुद्दों को लेकर आगे बढ़ रही है. 180 से 200 सीटों तक भाजपा को रोकने में हम कामयाब हो जाएंगे।अलका लांबा ने कहा, किसान आज भी आंदोलन कर रहे हैं। किसान घायल हैं और न्याय मांग रहे हैं।बेरोजगारी ने आज 45 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए।अग्निवीर योजना को लेकर उन्होंने कहा कि कफन में बलिदानी दफन होता था। परिजनों को पेंशन मिलता था। अग्निवीर योजना की ठेके पर भर्ती की जाती है ।पंजाब से एक युवा भर्ती हुआ, सीने पर गोली खाई पर नाम के आगे शहीद नहीं लिखा गया, क्योंकि अग्निवीर योजना में ठेके में भर्ती किया गया था। निजी वैन में शव लाया जाता है और पैसा परिजनों से मांगा जाता है।इसलिए कांग्रेस सरकार बनने के बाद अग्निवीर योजनाको भंग किया जाएगा।

अलका लंबा ने कहा, धर्म के आधार पर प्रधानमंत्री वोट मांग रहे हैं, 370 के नाम पर वोट मांगा जा रहा है। यह चुनाव राष्ट्र का चुनाव है, देश को बचाने का चुनाव है। सत्ता में आए या ना आए कांग्रेस आंदोलन करते रहेगी।कांग्रेस बाबासाहेब के संविधान को आरएसएस के संविधान से बदलने नहीं देगी।

अलका लांबा ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि, वे झूठ बोलकर जनता को गुमराह करना चाहते हैं। लोगों की आजादी और हक बदलने की बात हो रही हैं। एक बम होता है, जिससे आतंकी हमले करते हैं और एक बम प्रधानमंत्री ने फेंका, जिससे 140 करोड़ जनता घायल बैठी है। ब से बेरोजगारी और म से महंगाई के बम से भारत माता घायल बैठी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

राजनांदगांव में सरकार के संरक्षण में भाजपाईयों ने चुनाव को बाधित करने का प्रयास किया

रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कवर्धा में भाजपाइयों की गुंडागर्दी बूथों पर दिखी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में सरकार के संरक्षण में भाजपा ने गुंडागर्दी कर चुनाव में बाधा पहुंचाने का काम किया। कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल के साथ बूथ पर अभद्रता करने की कोशिश किया। भाजपा राजनांदगांव में हार को देखकर बौखला गयी तथा उसने सारी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया था। इसके बावजूद राजनांदगांव की जनता ने भूपेश बघेल के पक्ष में जमकर मतदान किया है। राजनांदगांव से कांग्रेस प्रचंड मतो से चुनाव जीत रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अपने प्रत्याशी के खिलाफ पड़ रहे मतदान से बौखलाये भाजपा नेता बूथों में घुसकर लोगो को धमका रहे थे। कवर्धा विधानसभा के बूथ क्र. 209, 210, 211 में गृहमंत्री विजय शर्मा के करीबी भाजपा नेता और सौरभ सिंह कवर्धा मंडल अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, मुकेश सेन जबरीया बूथ में घुसने की कोशिश कर रहे।

मतदाता जागरूकता के लिए श्री नारायणा हॉस्पिटल की प्रशंसनीय पहल

रायपुर. रायपुर लोकसभा में आगामी 07 मई को मतदान किया जाएगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने जिले के श्री नारायणा हॉस्पिटल द्वारा प्रशंसनीय पहल की गई है। मतदान तिथि 07 मई से लेकर 12 मई तक हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न सेवाओं पर विशेष छूट दी जा रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने हॉस्पिटल के इस पहल की सराहना की है और इसे अन्य संस्थानों के लिए भी अनुकरणीय बताया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से मिलकर हॉस्पिटल के प्रतिनिधि अतुल सिंघानियां ने बताया कि मतदाता जागरूकता के लिए हॉस्पिटल द्वारा कुछ विशेष पहल की गई है। जिसमें 07 मई को मतदान के पश्चात जो भी व्यक्ति अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सकीय परामर्श के लिए आयेगा और अपनी उंगली पर मतदान की स्याही दिखायेगा उसे उस दिन नि:शुल्क ओपीडी कंसल्टेशन दिया जाएगा। साथ ही अस्पताल में की जाने वाली ओपीडी जाँचों में अस्पताल दर पर 25 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

डर दिखा कर वोट मांगना भाजपा की हतासा का प्रमाण है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि आम जनता से उनका हक और अधिकार छीनने का काम भाजपा की सरकारों ने किया है। युवाओं से रोजगार छीने, महंगाई बढ़ाकर महिलाओं से उनकी बचत छिनी, कृषि की लागत बढ़ाकर किसानों को एमएसपी के अधिकार से वंचित किया, वन अधिकार अधिनियम में संशोधन करके आदिवासियों से जल, जंगल, जमीन के अधिकार छीनें, नंदराज पर्वत बेचें, मित्र के मुनाफे के लिए हसदेव के जंगल कटवा रहे हैं, एनएमडीसी का नगरनार प्लांट बिकने को तैयार है, छत्तीसगढ़ नवीन आरक्षण विधेयक पिछले डेढ़ साल से राजभवन में कैद है, श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी संशोधन किया, मनरेगा, खाद सब्सिडी, खाद्य सब्सिडी घटाई और अब उल्टा डर दिखा रहे हैं कि कांग्रेस आपकी संपत्ति छीन लेगी? बेरोजगारी, घटते इनकम और महंगाई से बे मौत मर रही जनता से वसूल कर जो संसाधन अपने मित्रों पर मोदी सरकार लूट रही है उसका उचित प्रबंधन और सामाजिक न्याय की संविधानिक व्यवस्था के तहत वितरण कांग्रेस का वादा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि अपनी नाकामियों पर परदेदारी करने तथ्यहीन बयानबाज़ी करके मोदी और भारतीय जनता पार्टी के नेता आम जनता को संपत्ति छीनने का डर दिखा रहे हैं।

गौ तस्करी एवं गौ सेवकों तथा बजरंगियों पर हमले की घटना शर्मनाक

रायगढ़। रायगढ़ जिले का धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र गौ तस्करों के लिए एवं सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। खरसिया विधानसभा के बरगढ़ खोला क्षेत्र से होकर के छाल, आमापाली,चरखा पारा आदि स्थानों से विगत 10 वर्षों से लगातार गौ तस्करी झारखंड एवं अन्य समीपस्थ प्रान्तों में किया जा रहा है। लगातार गौ तस्करों के द्वारा बेरहमी से गायों एवं बछड़ों को भीषण गर्मी में सैकड़ों किलोमीटर तक पैदल चलाकर तो पिकअप एवं माजदा में बिना चारा-पानी के बेरहमी से ठूसकर के कटिंग के लिए ले जाया जाता है। गौ तस्करों के बारे में जोबी,छाल में सबको पता होने के बावजूद बेखौफ तरीके से सांठगांठ के कारण प्रति सप्ताह सैकड़ों की संख्या में गौ वंशों को अवैध रूप से बूचड़ खानों में भेजा जा रहा है। दुर्भाग्य की बात है कि गौ को माता मानने एवं गौ माता की जय के नारों के साथ प्रतिमाह हजारों की संख्या में गौ वंशों की तस्करी की जा रही है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से रायगढ़ पुलिस कप्तान से मामले में हस्तक्षेप करते हुए गौ तस्करों को बढ़ावा देने वाले पर भी कठोर कार्यवाही की मांग भूपेन्द्र किशोर वैष्णव खरसिया प्रखण्ड अध्यक्ष बजरंगदल ने किया है।

मैदानी अधिकारियों को फील्ड में रहने की चेतावनी

रायपुर। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों से फील्ड में अधिक रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लापरवाही करने पर सीआर में लिख देने की चेतावनी भी दी है। फील्ड में काम होने की निगरानी के लिए निगम द्वारा एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। कौन अधिकारी कहाँ पर है और क्या काम करा रहा है उसकी तस्वीर खींचकर अपलोड करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे करने से कार्य में तेजी आएगी और कार्य समय पर पूर्ण भी सकेंगे। आईटी के माध्यम से 18 से 24 अप्रैल तक फील्ड में रहने की समीक्षा की गई कि किस अधिकारी कितने प्रतिशत समय फील्ड में दिया। इसमें कुछ अधिकारियों के कमजोर रिपोर्ट को देखकर कमिश्नर श्री मिश्रा नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि फील्ड रिपोर्टिंग की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। इसके लिए निगम की आईटी की एक टीम भी बनाई गई है । उन्होंने चेतावनी दी कि जिनका रिपोर्ट कमजोर रहेगा उनके सीआर में इस बारे में लिख दिया जाएगा।

संभवतः यह देश के किसी भी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में एब्सटीन एनामली विद जुगलर एप्रोच के साथ पहला केस

एब्स्टीन एनामली से पीड़ित महिला मरीज के गले की नस जुगलर वेन के द्वारा दिल में लगाया तैरता हुआ लीडलेस पेसमेकर

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में पहली दफ़ा हृदय की जन्मजात बीमारी एब्सटीन एनामली से पीड़ित 30 वर्षीय महिला मरीज के गर्दन के रास्ते हृदय में तैरते हुए लीडलेस पेसमेकर लगाकर मरीज की जीवन रक्षा की गई। एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुए इस उपचार प्रक्रिया की विशेष बात यह रही कि मरीज हृदय की जन्मजात बीमारी से पीड़ित होने के कारण पहले ही वॉल्व रिप्लेसमेंट की सर्जिकल प्रक्रिया से गुजर चुकी थी, इसके साथ ही उसे प्री एक्लेम्पसिया की समस्या थी, साथ ही साथ मरीज का कम्प्लीट हार्ट ब्लॉकेज हो चुका था। इन सब जटिलताओं के कारण मरीज को सामान्य पेसमेकर लगाना संभव नहीं था इसलिए गर्दन की नस जिसे जुगलर वेन कहते हैं, के रास्ते दिल में तैरने वाला पेसमेकर लगाकर जान बचाई। डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार, पैर की नस के रास्ते (फीमोरल आर्टरी) से एसीआई में

इससे पहले लीडलेस पेसमेकर लगाया जा चुका है लेकिन गले के नस के रास्ते लीडलेस पेसमेकर लगाने का देश एवं राज्य का संभवत: यह पहला केस है। महिला का उपचार स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत निशुल्क हुआ।

डॉ. स्मित श्रीवास्तव बताते हैं कि सबसे पहले गर्दन की नस दायें जुगलर वेन के रास्ते 23 फ्रेंच का शीथ डाला गया। उसके बाद माइक्रा कैथेटर के द्वारा लीडलेस पेसमेकर को राइट वेंट्रीकल तक ले जाया गया। उसके बाद हृदय के सारे पैरामीटर चेक किये गये। सारे पैरामीटर ठीक होने पर राइट वेंट्रीकल में तैरता हुआ लीडलेस पेसमेकर को छोड़ा गया उसके बाद पुन: हृदय के पैरामीटर को जांचा गया। सबकुछ ठीक होने पर डिवाइस को वहीं डिप्लाइड (विशेष स्थिति और स्थान में छोड़ना) कर दिया गया। एब्सस्टीन एनामली नामक उपरोक्त केस के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. स्मित बताते हैं कि एक 30 वर्षीय महिला मरीज जिसे कंजनाइटल हार्ट डिजीज विद एब्सटीन एनामली था, पालपिटेशन विद न्याहा क्लास थर्ड (न्यूयार्क हार्ट एसोसिएशन फंक्शनल क्लासिफिकेशन या संक्षेप में एनएचवाईए, दिल की विफलता को वर्गीकृत करने का एक पैमाना) के साथ प्री एक्लेम्पसिया से पीड़ित थी।

अग्रसेन महाविद्यालय एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

रायपुर. अग्रसेन महाविद्यालय (पुरानी बस्ती रायपुर) एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में न्यू मेथोडोलॉजी इन रिसर्च प्रजेंटेशन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन आज दुर्ग स्थित के.के. मोदी विश्वविद्यालय में स्कुल ऑफ़ मेनेजमेंट के प्राध्यापक प्रो. विक्रम सिंह ने लिटरेचर रिव्यू बाई बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस एंड पेपर पब्लिकेशन इन क्वालिटी जर्नल्स ङ्क विषय पर अपनी प्रस्तुति दी. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अपने किसी भी शोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने के लिए हमें डिजिटल दुनिया में अपनी उपस्थिति रखना जरुरी है. इसके लिए हर शोधार्थी का गूगल स्कॉलर, ऑर्किड और रिसर्च-गेट जैसे प्लेटफोर्म में आईडी होना आवश्यक है. अब केवल प्रिंट होने वाले जर्नल में शोध पत्र लिखना काफी नहीं है, क्योंकि उसका डिजिटल वर्जन गूगल स्कॉलर, ऑर्किड या रिसर्च गेट में नहीं आ पायेगा. ऐसी स्थिति में शोध पत्र कितना भी स्तरीय क्यों न हो, उसका उल्लेख (साइटेशन) दुनिया भर के दूसरे शोधार्थी नहीं कर पाएंगे. वर्तमान समय में बड़े संस्थानों में किसी प्रकार का अकादमिक कार्य या शोध करने से पहले शोधार्थी से गूगल स्कॉलर, ऑर्किड और रिसर्च-गेट जैसे प्लेटफोर्म में उसकी आई-डी जरुर पूछी जाती है. उन्होंने कहा कि इन प्लेटफार्म में अपने शोध पत्र को सम्मिलित करने से शोधार्थी के कार्य को वैश्विक पहचान मिल सकती है. प्रो विक्रम ने कहा कि शोधार्थियों को अपने शोध पत्र उन्ही जर्नल में प्रकाशित कराना चाहिए, जो यूजीसी केयर, स्कोपस, वेब ऑफ़ साइंस में सूचीबद्ध हों.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.